जीवन दर्शन

परमात्मा के प्रत्येक
रूप के अनुरूप अपना
रूप बना लो - ऋग्वेद

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

सोमवार 2 जून, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 111 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में,...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

9 दिन में देश में 1300% कोरोना केस बढ़े, 48 घंटे में 21 मौतें, 3783 एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसेज की संख्या 3783 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 22 मई को भारत में 257 केस थे। 9 दिन में कोरोना के मामलों में लगभग 1300% की बढ़ोतरी हुई है। केरल में सबसे ज्यादा 1400 मामले हैं। वहीं महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 एक्टिव केस हैं। जनवरी 2025 से अब तक कोरोना से 28 मौतें हो चुकी हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार ने जारी की है। इससे पहले 30 मई को सुबह 8 बजे तक सिर्फ 7 मौतों का आंकड़ा सामने आया था। ऐसे में बीते दो दिनों में देश के अंदर 21 लोगों की मौत दर्ज की गई। 31 मई को बेंगलुरु में 63 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। दोनों वैक्सीन के साथ बूस्टर डोज भी लगी थी।

ममता कुलकर्णी - 'मैं परशुराम के गोत्र से, मैंने देखा है कल्कि अवतार'

नई दिल्ली। भगवा वस्त्र, गले में रूद्राक्ष की माला, खुले बाल, माथे पर लाल-पीला टीका और कंधे पर बड़ा बैग लटकाए अभिनेत्री से संन्यासिनी बनी ममता कुलकर्णी रविवार सुबह जैसे ही संभल पहुंचीं तो उनकी एक नजर पाने के लिए लोग बेताब दिखे। आपको बता दें कि 'किन्नर अखाड़ा महामंडलेश्वर' ममता ने 'कल्किधाम' में आज 'शिलादान' किया है, इसके बाद वो 'मासिक संकीर्तन' में भी शामिल हुईं। उनके पूजा-पाठ की तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। मालूम हो कि एक दिन पहले ही आ. प्रमोद कृष्णम ने ममता के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी। मीडिया से बात करते हुए अभिनेत्री से साध्वी बनी ममता ने कहा था कि 'मेरा प्रयास लोगों को सनातन धर्म से जोड़ना होगा, धर्म की स्थापना हो और अधर्म का नाश हो।'

इंडिगो फ्लाइट टबुर्लेंस में फंसी, रायपुर से दिल्ली आ रही थी, फिर सेफ लैंडिंग

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के रायपुर से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6313 रविवार को टबुर्लेंस में फंस गई। दिल्ली में लैंड करने से पहले पायलट को फ्लाइट को दोबारा हवा में उड़ाना पड़ा। ऐसा दिल्ली-ठउफ में दोपहर के वक्त धूलभरी आंधी के कारण हुआ। इसके बाद फ्लाइट ने आसमान में कई चक्कर लगाए। बाद में एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से क्लियरेंस मिलने के बाद फ्लाइट सुरक्षित लैंड कराई गई। फ्लाइट के हवा में चक्कर काटने का वीडियो भी सामने आया है। इसमें नजर आ रहा है कि फ्लाइट में बैठे पैसेंजर्स घबराए हुए हैं। पायलट ने पैसेंजर्स को बताया था कि 80किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चल रही थी।

शाह बोले- पहलगाम हमला हुआ तो ममता बनर्जी चुप रहीं, अब ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रहीं

कोलकाता ■

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में कहा- ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रही हैं। ममता ऐसा करके देश की माताओं और बहनों का अपमान कर रही हैं। राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव में माएं और बहनें ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने के लिए मुख्यमंत्री ममता और टीएमसी को सबक सिखाएंगी।

दो दिन के पश्चिम बंगाल दौरे के पहले दिन शाह ने विजय संकल्प कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं से कहा- जब पहलगाम आतंकी हमले में बंगाल के पर्यटक मारे गए, तब ममता बनर्जी चुप रहीं। मुर्शिदाबाद दंगा, राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित था। गृह मंत्रालय ने यहां BSF की तैनाती की बात कही थी, लेकिन ममता सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया, ताकि हिंसा जारी रहे।

सांप्रदायिक दंगों में 3 लोगों की मौत हुई

शाह ने कहा कि वक्फ कानून को लेकर मुर्शिदाबाद में हुए दंगों में टीएमसी के कई सीनियर लीडर शामिल थे। दंगों में 3 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ममता बनर्जी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए कानून के खिलाफ हैं। गृह मंत्री ने ये भी कहा कि ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए बंगाल की सीमाएं खोल दी हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने इरऋको आवश्यक जमीन नहीं दी है। टीएमसी बीएसएफ को जमीन दे दे तो हम घुसपैठ रोक देंगे, लेकिन टीएमसी ऐसा नहीं करेगी।

शाह ने सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया

पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करने से पहले शाह ने कोलकाता के राजारहाट में सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री (सीएफएसएल) का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा- भारत सरकार एक सुरक्षित, पारदर्शी और साक्ष्य आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली बना रही है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि अपराध रोकने वाले अपराधियों से दो कदम आगे रहें। हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली एक नए युग में प्रवेश कर रही है। केंद्र सरकार ने जुलाई 2024 में तीन नए आपराधिक कानून- भारत न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए थे।

4 बड़े अफसरों पर गिरी गाज, सीएम यादव ने दिखा दिया बाहर का रास्ता

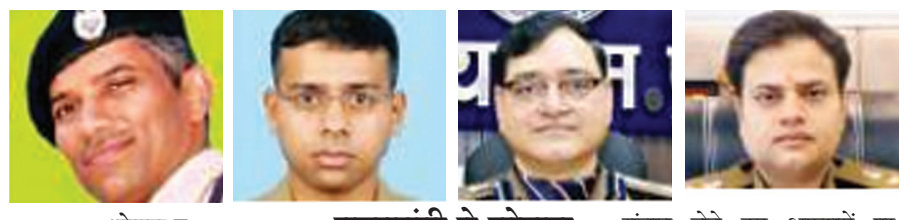

भोपाल ■

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एक बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कटनी और दतिया जिले के रढ को हटाने का आदेश दिया है। साथ ही चंबल रेंज के आईजी सुशांत सक्सेना और डीआईजी कुमार सौरभ को भी हटाने का निर्देश दिया है।

बताया जा रहा है कि शनिवार को दतिया एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम में पुलिस अफसर पहुंचे थे। लोकार्पण कार्यक्रम में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के दौरान एसपी और आईजी, डीआईजी में आपसी समन्वय की कमी दिखाई दी। बीजेपी कार्यकताओं और पब्लिक के सामने ही आपसी मतभेद दिखाई दिया था। इस बात की जानकारी सीएम तक पहुंची। इस पर सीएम ने संज्ञान लेते हुए अफसरों पर कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। उन्होंने लिखा है कि कटनी के पुलिस अधीक्षक और दतिया के पुलिस अधीक्षक तथा आईजी, डीआईजी चंबल रेंज द्वारा ऐसा व्यवहार किया गया जो लोकसेवा में खेदजनक है। इस कारण इन्हें तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिये हैं। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

गाजा में खाना बांटते समय फिर गोलीबारी, 32 मौतें

गाजा ■

दक्षिणी गाजा में रविवार को खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी हुई जिसमें 32 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई है। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा है कि दक्षिणी गाजा के राफा शहर में रविवार को एक सहायता वितरण केंद्र के पास इजराइली सेना ने गोलीबारी की। इसमें 31 लोगों की मौत हो गई वहीं, 200 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा मध्य गाजा के नेत्जारिम कॉरिडोर में भी एक सहायता केंद्र पर गोलीबारी की गई।

इसमें 1 फिलिस्तीनी शख्स की मौत हो गई है, जबकि 32 लोग घायल हैं। गाजा में खाना बांटने का काम एक अमेरिकी एजेंसी

जीएचएफ चला रही है। हालांकि इजराइली सेना ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सहायता वितरण केंद्र के पास उनके सैनिकों की गोलीबारी से कोई घायल हुआ हो। सेना ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में 27 मई से 1 जून तक खाना बांटने के दौरान हुई गोलीबारी में 49 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

यूक्रेन का दावा- रूस के 41 एयरक्राफ्ट तबाह किए, 4 एयरबेस को निशाना बनाया

कीव ■

यूक्रेन ने रूस के 41 लड़ाकू विमानों को तबाह कर दिया है। यूक्रेनी वेबसाइट कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूस के मरमंस्क में ओलेन्या एयर बेस, इरकुत्स्क में बेलाया एयर बेस, इवानोवो में इवानोवो एयर बेस और डायगिलेवो एयर बेस को निशाना बनाया है। रूस का बेलाया एयरबेस यूक्रेनी सीमा से 4 हजार किमी से भी ज्यादा दूर है। यह रूस के साइबेरिया इलाके में स्थित है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी (एसबीयू) ने इस हमले को अंजाम दिया, जिसमें एफपीवी (फर्स्ट-पर्सन-व्यू) ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया। इसमें ए-50, टीयू-95

और टीयू-22 जैसे स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स को निशाना बनाया गया। एसबीयू के एक अधिकारी ने कहा कि यह हमला उन्होंने खुद के बचाव में किया है, क्योंकि ये रूसी विमान अक्सर यूक्रेनी शहरों पर बम गिराते हैं। रूस ने इस हमले की पुष्टि की है। शुरूआती अनुमानों के मुताबिक, नुकसान की लागत 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (17 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा) हो सकती है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब इस्तांबुल में सोमवार को शांति वार्ता होनी है और सीमा पार झड़पें तेज हो गई हैं।

यूक्रेन बोला- रूस नहीं रुका तो और हमले करेंगे

यूक्रेनी एजेंसी ने कहा कि उन्होंने यह हमला इसलिए किया ताकि रूस की बमबारी रुक सके, क्योंकि लगभग हर रात रूसी विमान यूक्रेनी शहरों पर हमला करते हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस हमले से रूस को काफी नुकसान पहुंचा होगा। यूक्रेन ने यह भी कहा है कि उसके ड्रोन मिशन आगे भी जारी रहेंगे। ओलेन्या एयरबेस रूस के मरमंस्क क्षेत्र में है। वहां के गवर्नर ने बताया कि दुश्मन के ड्रोन ने हमला किया, लेकिन उन्होंने भी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है जिसमें एक ट्रक से एफपीवी ड्रोन को उड़ान भरते हुए देखा जा सकता है।

सीडीएस के बयान पर कांग्रेस बोली- केंद्र संसद सत्र बुलाए

बेंगलुरु। कांग्रेस ने सैन्य और विदेश नीति पर चर्चा के लिए केंद्र सरकार से संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के सिंगापुर में दिए इंटरव्यू के बाद यह मांग की गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पीटीआई से कहा- सरकार सभी दलों और राष्ट्र को विश्वास में ले। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीति पर चर्चा करे। प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री को सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं को यह बताना चाहिए था कि जनरल चौहान ने सिंगापुर में क्या कहा है। दरअसल, सीडीएस चौहान ने 31 मई को सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग कार्यक्रम में ब्लूमबर्ग को इंटरव्यू में दिया।

शेख पर मानवता के खिलाफ अपराध का मुकदमा शुरू

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध से जुड़े आरोपों में ट्रायल शुरू हो गया है। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) में रविवार को इन आरोपों को औपचारिक तौर पर दर्ज किया गया। चीफ प्रॉसिक्यूटर ताजुल इस्लाम ने ट्रिब्यूनल में ये आरोप दर्ज कराए हैं। आईसीटी के प्रॉसिक्यूटर गाजी मनोवार हुसैन तमीम ने डेली स्टार को यह जानकारी दी है। 12 मई को ट्रिब्यूनल की जांच एजेंसी ने हसीना के खिलाफ अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी थी।

अयोध्या: राम मंदिर के शिखर पर जगमगाएगा सोने का कलश, बनेगा भक्तों की आस्था का प्रतीक

अयोध्या ■

अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर स्वर्ण जड़ित कलश लगाया जा रहा है. ये कलश दूर से ही चमकता हुआ नजर आएगा. राम मंदिर का यह स्वर्ण शिखर न सिर्फ स्थापत्य की दृष्टि से अद्भुत होगा, बल्कि यह भारत की सनातन परंपरा, श्रद्धा और राम भक्तों की आस्था का प्रतीक भी बनेगा.

अयोध्या से एक अद्भुत खबर आई है. रामलला का मंदिर सिर्फ श्रद्धा का नहीं, बल्कि स्वर्णिम वैभव का प्रतीक भी बनता जा रहा है. अब अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर स्वर्ण जड़ित कलश लगाया जा रहा

है. ये कलश दूर से ही चमकता हुआ नजर आएगा और भक्तों के हृदय में आस्था की ज्योति प्रज्वलित करेगा. जानकारी के अनुसार, मंदिर के शिखर पर पहले 20 गेज की तांबे की चादर लगाई जा रही है. इस चादर को केमिकल और तेजाब से साफ किया जा रहा है, ताकि इस पर कोई भी अशुद्धि न रह जाए. इसके बाद इस तांबे की सतह पर सोने का वर्क यानि पतली परत चढ़ाई जाएगी. जिससे पूरा शिखर स्वर्णिम आभा से जगमगाएगा. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की योजना है कि यह कार्य जून महीने तक पूर्ण कर लिया जाएगा.

राम भक्तों की आस्था का प्रतीक बनेगा स्वर्ण शिखर

राम मंदिर का यह स्वर्ण शिखर न सिर्फ स्थापत्य की दृष्टि से अद्भुत होगा, बल्कि यह भारत की सनातन परंपरा, श्रद्धा और राम भक्तों की आस्था का प्रतीक भी बनेगा. ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि यह कोई पहली बार नहीं है जब मंदिर को स्वर्ण जड़ित किया जा रहा है. 22 जनवरी 2024 को जब प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, उससे पहले ही मंदिर के गर्भगृह, सिंहासन और 14 मुख्य दरवाजों को सोने से मढ़ा गया था. अब यह कांम राम मंदिर के शिखर पर किया जाएगा. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि वर्षों पहले राम भक्तों ने सपना देखा था कि राम मंदिर भव्य, दिव्य और स्वर्णिम हो. भक्तों का सपना अब साकार हो रहा है. यह शिखर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से अद्वितीय होगा, बल्कि अयोध्या की आस्था और भारतीय संस्कृति की चमक को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाएगा.

मां-पापा का आदेश भगवान से बढ़कर-तेजप्रताप यादव

पटना ■

आरजेडी से निकाले जाने के छह दिन बाद पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजप्रताप यादव ने एक के बाद एक दो भावुक पोस्ट कर अपने माता-पिता लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के प्रति अपनी श्रद्धा जताई है और छोटे भाई तेजस्वी यादव से भी आत्मीय अपील की है। तेजप्रताप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में न सिर्फ अपने दिल की बात कही, बल्कि पार्टी में मौजूद जयचंदों पर भी अप्रत्यक्ष हमला बोला।

रविवार को एक्स पर तेजप्रताप यादव ने सबसे पहले अपने माता-पिता को संबोधित करते हुए एक इमोशनल पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरे प्यारे

मम्मी-पापा... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप हैं तो सबकुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए, ना कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी-पापा, आप दोनों स्वस्थ और खुश रहें हमेशा।

व्यंग्य : इंदिरा गांधी विरुद्ध पाक का बयान : क्या राहुल खुश..?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ एवं आतंकी 1971 में कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पाकिस्तान पर जीत एवं दो टुकड़ों में विभक्त करने पर बयान दे रहे हैं कि हमने 10 मई 2024 को इस हार का बदला ले लिया और बांग्लादेश से हसीना सरकार को हटा दिया. स्पष्ट है कि ऐसा बयान पूरी तरह कांग्रेस के विरोध में है.क्या ऐसे बयान से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी खुश होंगे या नाराज होकर पाकिस्तान के प्रति अपना रुख बदलकर भारत के हित की बात करेंगे या सत्ता हित के लिए भारत विरोधी बात ही करते रहेंगे..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

मोदी दें पाक को कड़े जवाब, राहुल मांगे भारत से जवाब : कौन सही..?

प्रधानमंत्री मोदी ' ऑपरेशन सिंदूर ' की कामयाबी के बाद भी पाकिस्तान को लगातार कड़े जवाब दे रहे हैं, इसके विपरीत कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व कांग्रेस के अन्य नेता भारत सरकार पर ही सवाल उठा रहे हैं एवं जवाब मांग रहे हैं. ऐसे में मीडिया की सुर्खियों में यह सवाल भी उठा कि देश किसके हाथों में सुरक्षित..? कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व अन्य वरिष्ठ नेता पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस ताजा बयान का विरोध क्यों नहीं कर रहे जो उन्होंने सियालकोट स्थित पसरूर छावनी परिसर में कहा है.ये वही छावनी है, जिसे भारत ने जवाबी कार्रवाई के दौरान निशाना बनाया था. इस दौरान अपने संबोधन में शहबाज ने पाकिस्तानी सैनिकों से कहा, आपने 1971 की जंग का बदला ले लिया है. अब पूरा देश आपके साथ खड़ा है. इस दौरान शहबाज शरीफ ने भारत को गीदड़ भभकी दी तो कश्मीर और पानी विवाद पर बातचीत की पेशकश भी कर डाली.स्पष्ट है कि पाकिस्तान 1971 में इंदिरा गांधी की जीत को कबूल नहीं कर रहा है और कह रहा है 10 मई 2024 को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को सत्ता से हटाकर भारत से बदला ले लिया.

क्या ऐसे बयान कांग्रेस के विरुद्ध नहीं हैं, इसके बाद भी क्या राहुल गांधी सिर्फ सत्ता के लिए अपने ही देश की सेना पर सवाल उठाते रहेंगे, ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाते रहेंगे..? क्या कांग्रेस नेता व अन्य विपक्षी नेता पाक पीएम शहबाज शरीफ के इस ताजा बयान को क्या सहन कर लेंगे कि उन्होंने कहा कि अगर आप हम पर फिर से हमला करेंगे, तो आप सब कुछ खो देंगे... उन्होंने कहा, 'हम युद्ध और बातचीत के लिए तैयार हैं.अब चुनाव आपका है. शहबाज ने पीएम मोदी के हालिया संबोधन के संदर्भ में कहा, पानी हमारी लाल रेखा है. हमारे पानी को मोड़ने के बारे में सोचना भी मत. हां, पानी और खून एक साथ नहीं बहते. आपने हमारी नीलम-झेलम जल परियोजना को भी नुकसान पहुंचाया.

नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर प्रदर्शन तेज, पूर्व गृहमंत्री को पुलिस ने गिरफ्तार किया

काठमांडू ■

रविवार को नेपाल के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा समेत 7 लोगों को काठमांडू में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि ये लोग एक ऐसे इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जहां जाने की अनुमति नहीं थी।

यह प्रदर्शन राजशाही को वापस लाने और नेपाल को फिर से एक हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर हो रहा था। इस प्रदर्शन का आयोजन राजशाही समर्थक दलों, जैसे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और आरपीपी नेपाल ने किया था। यह

विरोध प्रदर्शन नारायण चौर इलाके में आंदोलन के चौथे दिन हुआ। काठमांडू घाटी पुलिस के प्रवक्ता अपिल बोहोरा ने बताया कि आरपीपी के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन इस विरोध की अगुआई कर रहे थे। जब प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के सरकारी आवास बलुवाटर की तरफ बढ़ने लगे और सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश की, तब पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हो गई। कमल थापा और अन्य को नारायणहिती महल संग्रहालय के आसपास प्रतिबंधित इलाके में घुसने की वजह से पकड़ा गया।

कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने दिग्गजों ने संभाला मोर्चा नए अध्यक्ष के इंतजार में पदाधिकारियों पर छायी सुस्ती

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पांच महीने से दौड़ रही मप्र भाजपा के नए अध्यक्ष के घोषणा की खबर मुकाम तक नहीं पहुंच पाई है। भाजपा के इतिहास में ये संभवत सबसे लंबा इंतजार है कि जब मप्र में पूरी भाजपा बेसब्र होकर नए अध्यक्ष की बाट जोह रही है, लेकिन अब तक पार्टी में इस एक नाम पर बहुप्रतीक्षित मुहर नहीं लग पाई है।

इससे पदाधिकारियों में सुस्ती छाने लगी है। ऐसे में कार्यकताओं में जान फूंकने और उनकी सक्रियता को बढ़ाने के लिए दिग्गज नेताओं ने मोर्चा संभाल लिया है। इन नेताओं की कोशिश है कि जब तक नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नहीं हो जाती तब तक कार्यक्रमों के जरिए कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाई जाए।

मप्र भाजपा मुख्यालय में बीते तीन महीने से सन्नाटा

आवेदन लेकर और अपनी नई भूमिका की तलाश में पार्टी मुख्यालय पहुंचने वाले कार्यकर्ता भी हताश हैं। जानते हैं कि अभी सारे कागज और प्रक्रियाएं लंबित ही रह जाएंगी। अब जो भी होगा पार्टी संगठन में नए बदलाव के बाद ही होगा। मप्र में लगातार टलते जा रहे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव का इंतजार छोड़ संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने जिलों में कोर कमेटी सहित पदाधिकारियों की बैठकें और अन्य कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू कर दिया। अध्यक्ष का चुनाव अटकने से जिलों की कार्यकारिणी गठन आगे बढ़ गया। - निगम-मंडलों में दर्जा मंत्रियों और सदस्यों की ताजपोशी भी टल गई। समितियों में होने वाली हजारों कार्यकताओं की नियुक्तियां भी नहीं हो पा रहीं। प्रदेश भाजपा महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी का कहना है कि वरिष्ठ नेताओं के जिलों में प्रवास के दौरान कोर कमेटी के साथ संगठन के कामकाज पर विचार विमर्श हो रहा है।

कार्यक्रमों पर बढ़ा फोकस

भाजपा के मैदानी कार्यकताओं में उदासीनता और सुस्ती हॉवी न हो जाए इसके लिए भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह सहित प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने जिलों के दौरे शुरू कर दिए। हितानंद ने रविवार को बालाघाट में बैठक ली। जिलों में मौजूद कोर ग्रुप की टीम और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें चल रही है। इनमें खासतौर से तबादले की अनुशंसाएं और उससे जुड़े अन्य मुद्दों पर सहमति बनाई जा रही है। दो दिन पहले ग्वालियर में प्रदेश प्रभारी डॉ. सिंह ने कोर कमेटी और निगम के पार्षदों को समझाइश दी कि अफसरों के पास पूरी तैयारी से जाएं। कामकाज का होमवर्क पुख्ता होना चाहिए।

पुलिस कार्यवाही में राजस्थान राज्य के एमडी ड्रग्स तस्कर आरोपीगण गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही कर इनके नेटवर्क को नेस्तनाबूत करने के सख़्त निर्देश माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिये गए हैं। इसी तारतम्य में इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह के निर्देशन में इंदौर क्राईम ब्रांच विशेष अभियान चलाकर लगातार अवैध नशे पर कड़ा प्रहार कर रही है।

इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि रेल्वे ब्रिज के नीचे एमआर-4 रोड इन्दौर में, राजस्थान के दो व्यक्ति नसीब ओर साहिल, एमडी ड्रग्स की तस्करी करने आने वाले है, मुखबिर सूचना को सच मानकर क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा उक्त स्थान पर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखे जो पुलिस को देख घबराने भागने का प्रयास करते मोटरसाइकिल गिर गए और उनके पैरों में चोट भी आई , पूछताछ पर आरोपीयो के द्वारा अपना नाम (1). नसीब खान निवासी प्रतापगढ़ राजस्थान एवं (2).साहिल मंसूरी निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) का होना बताया। आरोपीयो ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि राजस्थान से एमडी ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा।आरोपी के कब्जे से 255 ग्राम एमडी ड्रग्स, 01मोटरसाइकिल, 02 आईफोन जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 103/25 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

नसीब

साहिल

इंदौर में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम की शुरूआत 5 जून से

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से इंदौर में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम की शुरूआत आगामी 5 जून से होने जा रही है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिये जून माह में इंदौर जिले में 13 स्वास्थ्य संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित किये जाएंगे।

इन शिविरों में आधुनिक मशीनों से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर, सीबीसी, ईसीजी, फायब्रो स्केन, मेमोग्राफी, मोतियाबिंद, पेपस्मेयर आदि की निःशुल्क जाँच की जाएगी। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी जो नागरिकों को मुफ्त परामर्श, परीक्षण तथा आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध कराएगी। आवश्यकता होने पर उपचार भी मुहैया कराया जायेगा। संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन हेतु टीम गठित की गई है। यह टीम शिविर स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, अस्थायी टॉयलेट आदि की व्यवस्था करेगी। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें और नियमित स्वास्थ्य जाँच करायें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान कराना एवं रोकथाम हेतु मदद पहुंचाना है। संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि प्रथम शिविर 5 जून को बाल विनय मंदिर स्कूल नेहरू नगर में आयोजित होगा। दूसरा शिविर 9 जून को सीएम राइज स्कूल नंदानगर में, तीसरा शिविर 10 जून को सन्मति स्कूल रेसीडेंसी एरिया में होगा।

विश्व साइकिल दिवस और इंदौर गौरव दिवस पर अनोखी जीपीएस ड्राइंग नाइट राइड आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विश्व साइकिल दिवस (3 जून) और इंदौर गौरव दिवस (31 मई) के उपलक्ष्य में स्वच्छता में देश में नंबर 1 इंदौर शहर की सड़कों पर एक अनोखी और रचनात्मक जीपीएस ड्राइंग नाइट राइड का आयोजन किया गया। राइड का आयोजन The Pedal Enthusiasts ग्रुप के संस्थापक अमोल वाधवानी द्वारा किया गया। इस विशेष राइड में 40 से अधिक साइक्लिस्ट्स ने भाग लिया, जिसमें युवाओं से लेकर अनुभवी सवारों तक सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

यह ग्रुप राइड 31 मई की रात 12 बजे इंदौर के महूनाका चौराहे से शुरू हुई और 1 जून की सुबह 6:30 बजे नवलखा चौराहे पर समाप्त हुई। पूरी राइड लगभग 50 किलोमीटर की रही और इसका खास उद्देश्य था - रात के अंधेरे में शहर की सड़कों पर साइकिल चलाकर जीपीएस के जरिए एक फॉक्स (लोमड़ी) की आकृति बनाना। राइड को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इन्दौर आर्गन डोनेशन सोसायटी के श्री जीतू बगानी जी ने, (जो इंदौर में अंगदान , नेत्रदान, त्वचादान व देहदान के प्रमुख प्रचारक हैं) उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियाँ युवाओं को स्वास्थ्य और समाज सेवा दोनों के प्रति जागरूक करती हैं।

राइड प्लानर अमोल वाधवानी ने बताया,

जैसे लोमड़ी रात में आवाज नहीं करती पर, अपना काम कर जाती, अपने निशान छोड़ जाती है, वैसे ही हम सबने रात के सन्नाटे में चुपचाप साइकिल चलाई और इंदौर की सड़कों पर अपनी जीपीएस सिग्नेचर आर्ट छोड़ दी। इस अनूठी राइड को सफल बनाने के लिए पहले से डिजिटल जीपीएस मैपिंग की गई, हर टर्न और पॉइंट को ग्राउंड पर चिन्हित किया गया और कई बार रेकी भी कि गई, ताकि अंत में जीपीएस पर साफ और सटीक लोमड़ी का डिजाइन बन सके।

इस राइड में स्ट्रावा, कोमूट और गार्मिन जैसे मोबाइल ऐप्स का उपयोग करके प्रतिभागियों ने अपनी राइड को रिकॉर्ड किया। राइड की गति धीमी रखी गई ताकि सभी सवार आराम से शामिल हो सकें, साथ ही बीच-बीच में हाइड्रेशन और ब्रेक पॉइंट्स भी रखे गए। यह राइड सिर्फ एक साइक्लिंग इवेंट नहीं, बल्कि कलात्मकता, फिटनेस और समूह एकता का प्रतीक बन गई। सभी प्रतिभागियों को इस राइड की पूरी जीपीएस आर्ट का हिस्सा बनने का गर्व भी महसूस हुआ।

The Pedal Enthusiasts ग्रुप ने भविष्य में इस तरह की और भी अनोखी जीपीएस राइड्स का आयोजन करने की योजना बनाई है। राइड समाप्त होने के बाद सभी प्रतिभागियों के मोबाइल में लोमड़ी की आकृति बन गई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का माना आभार

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 मई को भोपाल प्रवास के दौरान विकास की अनेक ऐतिहासिक सौगातें देने पर आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकास की अनेक ऐतिहासिक सौगातें देकर प्रदेश के सपनों को नई उड़ान दी है, मध्यप्रदेश आनंदित है, उत्साहित है, कृतज्ञ है। यह सौगातें आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में सशक्त सिद्ध होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का यह स्नेह और विश्वास हमें निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अमूल्य सहयोग और अपार स्नेह के लिए उनका हृदय से आभार।

फ्लैट पर बजरंगियों ने मारा छापा, हिंदू युवती के साथ मिला मुंबई का युवक, लव जिहाद का आरोप

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के रामबाग क्षेत्र के एक फ्लैट में शनिवार रात बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे। यहां एक अविवाहित हिन्दू युवती के फ्लैट में मुबंई से आया मुस्लिम युवक रह रहा था। जब बजरंगी फ्लैट पहुंचे तो वह आपत्तिजनक अवस्था में मिला। इसके बाद उसकी धुनाई कर दी गई और पुलिस के हवाले कर दिया।

बजरंग दल ने लिखित शिकायत में लव जिहाद का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि युवक रामबाग के संघ कार्यालय के समीप की मल्टी में रुका हुआ था। समाज की एक युवती के फ्लैट में रहता था। समाज के लोगों ने उसे कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं माना। वह अक्सर इंदौर आकर युवती के फ्लैट में रुकता था। जब समाजजनों को पता चला कि वह इंदौर आया है तो शनिवार को बजरंग दल के पदाधिकारी तन्नू शर्मा व समाज के लोग फ्लैट पर पहुंचे। पहले तो उन्होंने नौशाद की धुनाई की। फिर उसे थाने ले गए। समाजजनों ने कहा कि नौशाद लव जिहाद कर हिन्दू लड़कियों को फंसाता है। इसके बाद उनका शारीरिक शोषण करता है। पुलिस ने उसके मोबाइल को भी जब्त किया है, ताकि उसके बारे में अन्य जानकारी भी मिल सके।

उस पर जासूसी करने का शक भी जताया गया है। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई में रहने वाला नौशाल अली खान कव्वाली के प्रोग्राम का आयोजक है। वह अक्सर इंदौर आकर गुजराती दर्जी

नागरिकों को नहीं हो यातायात में परेशानी :- मंत्री सिलावट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मांगलिया स्टेशन के पास फाटक क्रमांक 45 को बंद करके रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाया जा रहा है। इस रोड को बंद कर डायवर्ट करने की तैयारी के संबंध में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज रेसीडेंसी कोठी में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में लोक निर्माण विभाग, रेलवे, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, बीपीसीएल, पुलिस, निर्माण एजेंसी के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंत्री श्री सिलावट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन-जिन स्थानों से यातायात डायवर्ट किया जाना है, उन स्थानों का भौतिक सर्वे करें तथा यातायात में आने वाली समस्याओं का बिंदुवार समाधान करें। जिन मार्गों पर यातायात डायवर्ट किया जा रहा है, वहां की सड़कों के गड्ढे पेचवर्क कर पूरी तरह भरे तथा डायवर्सन हेतु जगह-जगह स्टॉपर, बैरिकेडिंग की जाए। श्री सिलावट ने कहा कि यातायात डायवर्सन हेतु वैकल्पिक रास्तों पर जाने में वाहनों और आम जनता को कोई परेशानी ना हो, इसका पूरी तरह से ध्यान रखा जाए। संबंधित विभागों द्वारा हतुनिया, सांवेर बायपास, मांगलिया व शिप्रा पर सूचना हेतु पर्याप्त साइन बोर्ड, मरम्मत कार्य की सूचना हेतु दृश्य स्थल पर बोर्ड, फ्लेक्स, होर्डिंग आदि अधिक से अधिक लगाये जाए तथा जनता को इसके बारे में जागरूक करें कि उनकी सुविधा हेतु यह कार्य किए जा रहे हैं। सिलावट ने रेलवे के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को सख्त निर्देश दिए की संपूर्ण कार्य हेतु उपयोग किए जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता एवं क्वालिटी का पूरा ध्यान रखा जाए, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 में इस रोड पर सबसे ज्यादा ट्रॉफिक रहेगा। रोड डायवर्शन हेतु लोक निर्माण विभाग की सड़क तराना- मांगलिया-व्यासखेड़ी मार्ग को ग्राम हतुनिया से मांगलिया सड़क तक बंद रखा जाएगा। इस हेतु वैकल्पिक मार्ग मांगलिया से नेशनल हाईवे-52 से शिप्रा (बुढी-बरलाई) से होते हुए हतुनिया से सांवेर होगा। साथ ही एचपीसीएल,आइओसीएल बीपीसीएल के ज्वलनशील पदार्थ से भरे ट्रक जो उज्जैन से जुड़े अन्य जिलों में जाते हैं, इनके लिए वैकल्पिक मार्ग मांगलिया से नेशनल हाईवे-52 से होते हुए शिप्रा (देवास) मार्ग से ठल752ऊ (शिप्रा-उज्जैन बाईपास रोड) से उज्जैन होगा।

जीतना हो तो डटे रहें...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, लोग मुझे मगरमच्छ कहते हैं। इसलिए नहीं कि मैं ताक़तवर हूँ बल्कि इसलिए क्योंकि मैंने कभी अपने सपनों को छोड़ना नहीं सीखा। यह पंक्ति किसी साधारण इंसान ने नहीं बल्कि एक ऐसे इंसान ने कही है, जिनका नाम मगरमच्छ की फोटो के साथ आज भी दुनिया भर में करोड़ों टीशर्ट पर लिखा जाता है। जी हाँ आप सही अंदाजा लगा रहे हैं मैं बात कर रहा हूँ रेन लैकोस्ट की, जिनकी बनाई "Lacoste" टीशर्ट कभी ना कभी आपने और मैंने पहनी ही होगी।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

लेकिन दोस्तों, उनका जीवन इतना आसान नहीं था, जितना यहाँ सुनने में लग रहा है। जीवन के शुरुआती वर्षों में रेन लैकोस्ट बहुत ही दुबले-पतले और संकोची स्वभाव के थे, जिनके पास सिर्फ़ एक टेनिस का रैकेट और खिलाड़ी बनने का सपना था। उनकी शारीरिक बनावट और सपनों को सुन, बचपन में उनके दोस्त उनका मजाक उड़ाया करते थे और कहते थे, जरा अपनी हालत देख ले, तू बड़ा कमजोर है। कोर्ट पर टिक भी नहीं पायेगा। रेन लैकोस्ट ने लोगों के तानों पर प्रतिक्रिया देने या उसकी वजह से हार मानने के स्थान पर, हर मजाक; हर आलोचना को ईंधन बनाया और हर नकारात्मक शब्द को ज़दि में बदला और अंतत: विंबलडन, रोलां गैरोस, डेविस कप जीत कर साबित किया कि संकल्प और अनुग्रह याने दृढ़ता और विनम्रता दोनों साथ चल सकते हैं और उनसे सफलता पाई जा सकती है। दोस्तों, उनकी कहानी सिर्फ़ टेनिस की बड़ी-बड़ी प्रतियोगिताओं को जीतने की कहानी नहीं है, बल्कि विषम परिस्थितियों में उनके जुनून के जीत की कहानियाँ हैं। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि उन्होंने अपनी ज़दिगी की सबसे बड़ी लड़ाई टेनिंस कोर्ट पर नहीं, बल्कि अस्पताल के बिस्तर पर लड़ी थी। असल में मात्र 25 साल की उम्र में उन्हें फेफड़ों की गंभीर बीमारी हो गई थी, जिसकी वजह से उन्हें खेलना बंद करना पड़ा था। इस दौर में उनके लिए साँस लेना भी मुश्किल था लेकिन फिर भी उन्होंने सपने देखना बंद नहीं किया। सबसे पहले उन्होंने मन ही मन अपने खेल जीवन को एक बार फिर से जिया और उसमें आनी वाली दिक्कतों के विषय में सोचना शुरू किया। इस दौरान उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि खेलते समय पहने जाने वाले कपड़े कितने असहज होते थे। इलाज के दौरान उन्होंने लगातार सोचा और इस समस्या का समाधान निकालते हुए एक नया डिज़ाइन बनाया जो पहनने में हल्का, आरामदायक और व्यवहारिक था। अंत में उन्होंने इन कपड़ों पर मगरमच्छ का लोगो लगाया क्योंकि वे जानते थे कि मगरमच्छ कभी पीछे नहीं हटते। लेकिन इस बार भी उनकी सोच के विपरीत लोग उनके इस विचार पर हंसे और बोले, कौन पहनेगा ऐसी टी-शर्ट जिसपर मगरमच्छ बना हो? लेकिन उनकी सोच; उनकी बनाई डिज़ाइन आज विश्व स्तर पर एक पहचान बन गई है। इसलिए दोस्तों Lacoste को मैं सिर्फ़ एक ब्रांड नहीं, बल्कि एक सोच मानता हूँ। वैसे दोस्तों, लैकोस्ट ही नहीं बल्कि सभी ब्रांड एक सोच होते हैं। खैर हम अपनी कहानी पर ही वापस आते हैं। दोस्तों, लैकोस्ट ब्रांड की कहानी एक ऐसे लड़के की कहानी है जिसने हार नाम के शब्द को अपने जीवन, अपनी आत्मा, अपने शब्दकोश में जगह नहीं दी और अपने जीवन के सबसे मुश्किल समय में भी उम्मीद का दीप जलाए रखा। यही बात तो दोस्तों हम सब को सीखनी है, जीवन में चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों ना आ जाएँ, कभी भी अपने सपनों को मत छोड़ो क्योंकि ताक़त सिर्फ़ शरीर या मांसपेशियों में नहीं होती, वह तो हमारे विचार और विश्वास में होती है। इसलिए दोस्तों, जीवन में कभी भी कठिन दौर आए या आप उससे गुज़र रहें हों और लोग आपकी क्षमताओं को कम आँक रहे हों या अपना सपना अधूरा लग रहा हो तो खुद पर और अपने विचार पर विश्वास रखो और रुकने के स्थान पर, आगे बढ़ो और मैदान में डटे रहो और दोस्तों अगर आप डटे रहे तो एक दिन दुनिया तुम्हारे नाम की पहचान पहनेगी।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में गत दिवस सभी स्टेकहोल्डर के साथ विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम श्री रोशन राय, विमानतल निदेशक श्री विपिनकांत सेठ, सीनियर कमांडेंट सीआईएसएफ श्री दलाई जी, एसीपी श्री विवेक चौहान, सीएमएचओ श्री बी.एस. सैत्या, एयरपोर्ट मैनेजर श्री अमोल ठाकुर तथा नगर निगम, बीएसएफ एवं विमानतल सुरक्षा संबंधी अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि पंछियों के हवाई जहाज से टकराने के कारण होने वाले हादसे के संबंध में 10 किलोमीटर की परिधि में आने वाले क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से अवेयरनेस का काम किया जाए। बिजासन टेकरी के मेला क्षेत्र के सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए गए। वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गये कि प्रचालन क्षेत्र में मिलने वाले सियार, जंगली बिल्ली जैसे वन्य जीवों के नियंत्रण हेतु विमानतल प्रबंधन की सहायता करें और इन जीवों को रिलोकेट करें। बैठक में विमानतल प्रबंधन ने पेड़ों के सुरक्षित प्रबंधन के लिये नगर निगम को धन्यवाद दिया। नगर निगम द्वारा मानसून के पूर्व ही समय से विमानतल क्षेत्र में पेड़ों की सुरक्षित छंटाई कर दी गई है। बैठक में नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय-समय पर पेड़ों की छंटाई का कार्य निरंतर कराया जाये। बैठक में विमानतल विकास से संबंधित कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

आपदा की स्थिति के नियंत्रण हेतु पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक आज

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा से निपटने एवं नियंत्रण के संबंध में सभी संबंधित विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय बैठक 2 जून को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष क्रमांक-102 में दोपहर 12.30 बजे से आयोजित की गई है।

आत्मा को भगवान के चरणों में समर्पित करना

श्री श्री आनन्दमूर्ति

ग्लोबल हेराल्ड

एक बार एक ईश्वर के बारे में जानने के लिए सवाल किया, भक्ति किसे कहते हैं? भक्ति का अर्थ केवल पूजा करना नहीं, बल्कि समर्पण करना भी है। पूजा के लिए दोनों का होना आवश्यक है- पूजा करने वाला और जिसे पूजा किया जा रहा है। इसका तात्पर्य है कि जब तक भक्त और ईश्वर के बीच भेद बना रहता है, तब तक भक्ति साधना की संभावना बनी रहती है। जब तक भक्त अपने आत्म-संवेदनाओं से भगवान के प्रति अपनी भावनाओं में भेद अनुभव करता है, तब तक वह भक्ति के मार्ग पर अग्रसर रहता है। भक्ति का मूल तत्व तड़प है, जो मन के भीतर और बाहर दोनों ही स्तरों पर कार्य करता है।

अब यह सवाल उठता है कि क्या भक्ति जीवों के लिए स्वाभाविक है या अस्वाभाविक ब्रह्मांड में हर जीवित और भौतिक वस्तु के बीच आपसी आकर्षण होता है। यह आकर्षण ही सृष्टि का धर्म है और यही कारण है कि ब्रह्मा के विचारों का प्रवाह निरंतर जारी रहता है। हर वस्तु एक-दूसरे की ओर आकर्षित होती है, और इस आकर्षण से सृष्टि का अस्तित्व बना रहता है। ग्रहों और नक्षत्रों के बीच आकर्षण के कारण अंतरिक्ष में संतुलन रहता है। यह आकर्षण केवल बाहरी पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर जीव और प्राणी के भीतर भी अपनी अस्तित्व की रक्षा के लिए स्थायी और सुरक्षित वस्तुओं की ओर आकर्षण होता है। मनुष्य भी यही करता है - वह अच्छे जल, अच्छे फल, और उपजाऊ भूमि की ओर दौड़ता है, क्योंकि वह इन चीजों में अपनी सुरक्षा और जीवन के लिए आवश्यक सामग्री देखता है। इसी प्रकार, मधुमक्खी फूलों के पास जाती है, ताकि वह अपनी जीवन रक्षा कर सके। सभी प्राणियों का यह स्वाभाविक प्रवृत्ति है कि वे ऐसी चीजों की ओर आकर्षित होते हैं जो स्थायी और सुरक्षित होती हैं, जो उन्हें दीर्घकालिक शांति और सुरक्षा प्रदान करती हैं। इस आकर्षण को हम भक्ति से जोड़ सकते हैं। भक्ति और आसक्ति के बीच अंतर को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। भौतिक वस्तुओं के प्रति आकर्षण को आसक्ति कहा जाता है, जबकि अनंत और ब्रह्म के प्रति आकर्षण को भक्ति कहा जाता है। भक्ति केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि यह उस प्रेम का प्रतीक है जो ईश्वर के प्रति समर्पित होता है। भगवान या ईश्वर अज्ञेय और अपार हैं, वह सृष्टि के केंद्र और सर्वोच्च प्रेम के रूप में व्यक्त होते हैं। जहां एक ओर मनुष्य भौतिक वस्तुओं के प्रति आकर्षित होता है, वहीं भक्ति का उद्देश्य ईश्वर के प्रति प्रेम और समर्पण में होता है। साधक जब भक्ति के मार्ग पर चलता है, तो उसकी यात्रा केवल बाहरी वस्तुओं के पीछे नहीं, बल्कि भीतर की दिव्य प्रेम शक्ति को महसूस करने की होती है। भक्ति का मूल उद्देश्य इस प्रेम को पहचानना और ईश्वर के प्रति समर्पण में अपना जीवन बिताना है। भक्ति से मिलने वाली शांति, सुख और संतोष भौतिक वस्तुओं से कहीं अधिक स्थायी और सच्ची होती है। यह समर्पण केवल किसी रूप या प्रतीक में नहीं, बल्कि आत्मा के गहरे भाव में होता है। जब कोई साधक अपने जीवन के सभी पहलुओं को भगवान के चरणों में अर्पित करता है, तो वह केवल भक्ति नहीं करता, बल्कि आत्म-साक्षात्कार की दिशा में भी एक कदम और बढ़ता है। यह प्रेम और समर्पण साधक को केवल भगवान के करीब नहीं लाता, बल्कि उसे अपने अंदर की दिव्यता और शांति का अनुभव भी कराता है। भक्ति का मार्ग जीवन के सबसे पवित्र और गहन मार्गों में से एक है। यह केवल पूजा या साधना का ही मार्ग नहीं, बल्कि आत्मा का परम उद्देश्य है - भगवान के प्रति प्रेम और समर्पण में खो जाना। भक्ति का असली रूप तब प्रकट होता है, जब साधक अपने भीतर के अहंकार को छोड़कर ईश्वर के प्रति अपनी पूरी निष्ठा और तड़प को अर्पित करता है। यह एक ऐसी यात्रा है जो बाहरी भौतिक सुखों से परे, अंतर्दृष्टि, शांति और दिव्य प्रेम की ओर ले जाती है। इसलिए, भक्ति साधना का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल भगवान की पूजा करना नहीं, बल्कि अपने हृदय और आत्मा को पूरी तरह से भगवान के चरणों में समर्पित करना है।

प्रस्तुति : दिव्यचेतनानंद अवधूत

मेट्रो में उमड़ी भीड़, त्योहार जैसा माहौल, 15,000 यात्रियों ने लिया मुफ्त सफर का मजा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर मेट्रो में रविवार को एक विशेष माहौल देखने को मिला, जब 15,000 से अधिक यात्री दिनभर मेट्रो में यात्रा करने पहुंचे। मेट्रो के मुफ्त सफर का आनंद लेने के लिए लोग शहर के विभिन्न हिस्सों से गांधी नगर टर्मिनल तक पहुंचे। यहां दिनभर भीड़ देखी गई और सुबह 8 बजे से लेकर रात 8 बजे तक मेट्रो सेवाएं जारी रहीं। मेट्रो के बीच के स्टेशनों पर भी नियमित रूप से स्टॉपेज होते रहे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिली।

पहले सप्ताह में मेट्रो की मुफ्त यात्रा

इंदौर मेट्रो की शुरूआत के पहले हफ्ते में यात्रियों को मुफ्त यात्रा का मौका दिया गया था। पहले दिन टिकट व्यवस्था लागू नहीं की गई थी, जिससे यात्री बिना किसी शुल्क के यात्रा कर सके। हालांकि, दूसरे हफ्ते से मेट्रो की यात्रा पर डिस्काउंट रेट पर टिकट उपलब्ध होंगे और टिकट की व्यवस्था मैन्युअल तरीके से की जाएगी।

रात 8 बजे तक चलेगी मेट्रो सेवा

इंदौर मेट्रो का संचालन गांधी नगर से लेकर स्टेशन नंबर 3 तक किया जाएगा। मेट्रो दोनों दिशा में सुबह 8 बजे से एक साथ चलेगी और रात 8 बजे आखिरी फेरा लगाया जाएगा। इस दौरान हर 30 मिनट के अंतराल पर एक मेट्रो कोच सेट का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर समय में बदलाव किया जा सकता है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस सेवा को और बेहतर बनाने के लिए यह फैसला लिया है।

मेट्रो के फर्श पर बैठकर सफर किया तो भरना पड़ेगा जुमार्ना

इंदौर में शनिवार से मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू हो गया। पहले दिन सफर करने वाले यात्रियों ने खूब सेल्फी ली। रविवार को भी यात्री सफर कर सकेंगे, लेकिन मेट्रो ट्रेन के तय नियमों के साथ। दूसरे लोक परिवहन वाहनों में जांच नहीं होती, इस कारण यात्री अपने साथ कई बार नशे की वस्तु और हथियार तक ले जाते हैं। इंदौर की सिटी बस में चाकू लहराते हुए भी दो-तीन मर्तबा बदमाश नजर आए, लेकिन मेट्रो ट्रेन में कई तरह के क्रियाकलाप प्रतिबंधित हैं। यदि यात्री उन्हें करते पाए गए तो उन्हें जुमार्ना भी भरना होगा। मेट्रो ट्रेन में सफर या तो सीट पर बैठकर करना होगा या खड़े रहकर। यदि यात्री मेट्रो ट्रेन की फर्श पर बैठकर सफर करते पाए गए तो 200 रुपये का जुमार्ना भरना पड़ेगा। गुटखा खाकर थूकने या शराब का नशा करने पर भी टिकट जब्त हो जाएगा और 200 रुपये का जुमार्ना भरना होगा। इसके अलावा पुरुष यात्री महिला कोच में सफर करते मिले तो तीन माह की जेल की हवा खाना पड़ सकती है। 250 रुपये का जुमार्ना भी भरना होगा। कोच में विज्ञापन के लिए स्टीकर चिपकाने पर भी जुमार्ना भरना होगा। मेट्रो ट्रेन में यात्री खरीदी हुई शराब की दो सीलबंद बोतल ले जा सकते हैं, लेकिन ढक्कन खुला मिला तो माना जाएगा कि शराब पी है। इसके लिए भी जुमार्ना भरना पड़ सकता है। यात्री चाकू, नुकीली वस्तु लेकर सफर नहीं कर सकते, लेकिन सिख समाज के लोग कृपाण रखकर सफर कर सकते हैं, लेकिन उसकी लंबाई 9 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यात्री पालतू जानवरों को भी मेट्रो में लेकर सफर नहीं कर सकते हैं। मेट्रो ट्रेन में प्रोफेशनल कैमरे से फोटोग्राफी बगैर अनुमति के नहीं की जा सकेगी।

इंदौर मेट्रो का किराया और जोन व्यवस्था

इंदौर मेट्रो का किराया 5 जोन में बांटा गया है, जिसमें कुल 28 स्टेशन शामिल हैं। न्यूनतम किराया 20 रुपये जबकि अधिकतम किराया 80 रुपये रखा गया है। शुरूआती प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए किराया 20 रुपये से 30 रुपये के बीच होगा। मेट्रो के कॉमर्शियल रन में यह किराया यात्रियों के अनुसार तय किया जाएगा।

सायबर ठगों के जाल में फंसकर एफडी तुड़वाने बैंक पहुंची रिटायर्ड प्रिंसिपल, मैनेजर की सूझबूझ से बच गई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सायबर ठगों ने एक रिटायर्ड प्रिंसिपल को पूरी तरह अपने जाल में फंसा लिया। ठगों ने उनकी सीम के गलत इस्तेमाल होने और अकाउंट में ट्रांजेक्शन की बात को लेकर धमकाया। उन्होंने प्रिंसिपल को सायबर अरेस्ट कर लिया और एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। सेवानिवृत्त प्राचार्य को घर में ही फोन कॉल के सामने बैठे रहने को कहा। महिला ने कहा कि उसकी 52 लाख रुपये की एफडी बैंक में है। उसे तुड़वाने बैंक जाना होगा। इसके बाद जब वह बैंक पहुंचीं तो बैंक मैनेजर ने सूझबूझ दिखाई और उसे ठगी से बचा लिया।

रिटायर्ड प्रिंसिपल बैंक में अपनी सावधि जमा तोड़कर ठगों के बताए खातों में पैसा ट्रांसफर कराना चाहती थी। बैंक मैनेजर को इतनी बड़ी एफडी तत्काल तुड़वाने पर शंका हुई तो उन्होंने पहले तो बैंक के कंप्यूटर सिस्टम का सर्वर डाउन होने का हवाला देकर सेवानिवृत्त प्राचार्य को रवाना कर दिया। इसके बाद सायबर पुलिस को सूचना दी। दरअसल, सायबर ठगों ने सेंट्रल स्कूल की रिटायर्ड प्राचार्य नंदनी चिपलूणकर को ठगने की कोशिश की थी। ठगों का कॉल आने के बाद वह इतना डर गई थीं कि अपने पति को भी उन्होंने यह बात नहीं बताई। ठग उन्हें कह रहे थे कि उनके खिलाफ 267 एफआईआर है।

नरेश गोयल का हवाला दिया

ठगों ने चिपलूणकर को जेट एयरवेज के पूर्व मालिक नरेश गोयल का हवाला दिया और कहा कि गोयल ने कोर्ट के सामने तुम्हारा नाम लिया है। ठगों ने कार्रवाई से बचने के लिए एक करोड़ रुपये अपने बैंक अकाउंट में जमा करने की बात कही। नंदनी के बैंक में पहुंचने के बाद मैनेजर को शंका हुई तो उन्होंने पुलिस अफसरों को इसकी जानकारी दी। अफसरों ने महिला से संपर्क किया और सायबर ठगी की जानकारी दी। इसके बाद महिला की शिकायत पर उन्होंने केस भी दर्ज किया।

एनसीसी कैडेट्स ने साइबर अपराधों से बचने का लिया ज्ञान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर राजेश दंडोतिया ने पुलिस टीम के साथ एनडीपीएस स्कूल में पहुंचकर, सायबर अवेयरनेस के तहत कार्यशाला लगाकर वहां उपस्थित करीब 550 एनसीसी कैडेट्स को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के विषय में बताते हुए, पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की केस स्टडी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के

ऑनलाइन फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड तथा सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर, किस प्रकार अपराधी हमें अपना शिकार बनाते हैं आदि के बारे में जानकारी देते हुए, वर्चुअल वर्ल्ड की विभिन्न नई नई तकनीकों का दुरुपयोग करके किस किस प्रकार के नए नए साइबर अपराध किये जा सकते हैं बताया। साथ ही साइबर अपराध होने पर हेल्पलाइन-1930, cybercime.gov.if तथा इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 704912445 आदि पर किस प्रकार शिकायत करें तथा पुलिस इन पर किस प्रकार कार्यवाही करती है और साइबर अपराधों से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें आदि के संबंध में प्रैक्टिकली समझाया। उन्होंने सभी से कहा कि, चूंकि हम सभी आजकल ज्यादा से ज्यादा काम ऑनलाइन ही कर रहे है। इस डिजिटल वर्ल्ड में छोटी सी गलती का फायदा उठाकर ये साइबर अपराधी बच्चों व युवाओं को ऑनलाइन गेम व बेटिंग ऐप्प की लत लगाकर, उनकी जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर महिलाओं को परेशान कर रहे हैं। लालच व डर दिखाकर डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन व फर्जी शेयर ट्रेडिंग जैसे फ्रॉड कर रहे हैं अतः साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक और सतर्क रहकर पूरी सावधानी के साथ डिजिटल व फाइनेंशियल कार्य करें, सोशल मीडिया का उपयोग करें, अनजान लिंक पर क्लिक करने व ऑनलाइन गेम खेलने मे भी विशेष सावधानी बरतें और अपनी निजी जानकारी किसी से कभी भी शेयर न करें।

सीनियर अफसरों पर कमेंट करना पड़ा भारी, दो पटवारी तुरंत सस्पेंड

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में सोशल मीडिया पर वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करना दो पटवारियों को भारी पड़ गया। यह मामला कलेक्टर आशीष सिंह के संज्ञान में आते ही उन्होंने तत्काल प्रभाव से दोनों पटवारियों को निलंबित कर दिया। अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले इस कृत्य पर प्रशासन ने कठोर रवैया अपनाते हुए सेवा आचरण नियमों का हवाला देते हुए कार्रवाई की।

पहला मामला तहसील राऊ के पटवारी चेतन उपाध्याय से जुड़ा है। उन्होंने शुक्रवार को एक वॉट्सऐप मीडिया ग्रुप में एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियमों का उल्लंघन मानते हुए कलेक्टर ने चेतन उपाध्याय को निलंबित कर दिया है। निलंबन के बाद उनका मुख्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय इंदौर निर्धारित किया गया है।

सांवेर तहसील के पटवारी धर्मेंद्र गुप्ता भी निलंबित

दूसरा मामला तहसील सांवेर के पटवारी धर्मेंद्र गुप्ता का है। उन्होंने भी उसी दिन उसी वॉट्सऐप ग्रुप में वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ अनुचित टिप्पणी की। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने धर्मेंद्र गुप्ता को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्हें भी मुख्यालय से अटैच किया गया है ताकि आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सके।

कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई, भत्ता मिलेगा

कलेक्टर द्वारा की गई यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 और मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत की गई है। हालांकि निलंबन की स्थिति में दोनों पटवारियों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। इस घटना ने प्रशासनिक कर्मचारियों के सोशल मीडिया व्यवहार को लेकर सतर्कता का संदेश दिया है।

इंदौर में हुई सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024, महिला अभ्यर्थियों से गहने निकालने का विरोध हुआ, दिव्यांग अभ्यर्थियों को मिला अतिरिक्त समय

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024 का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थियों ने भाग लिया, लेकिन उन्हें परीक्षा केंद्र पर नाक की लोंग, कान की बाली और गले में पहने चेन-मंगलसूत्र तक निकालने के लिए कहा गया, जिससे अभ्यर्थियों ने इसका विरोध किया। हालांकि, आयोग के ओएसडी आर. पंचभाई ने कहा कि इस तरह के कोई निर्देश नहीं दिए गए थे और मामला उनकी जानकारी में आया है, जिसमें संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी। परीक्षा प्रदेश के चार प्रमुख शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में आयोजित की गई। इंदौर में सबसे अधिक 85 सेंटर बनाए गए थे, जहां 31,839 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

सेंटर के बाहर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों की भीड़

इंदौर में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। इसके अलावा, अभ्यर्थियों के परिजन भी परीक्षा सेंटर के बाहर उनके इंतजार में बैठे थे। राजमोहल्ला स्थित क्लॉथ मार्केट वैष्णव बाल मंदिर गर्ल्स स्कूल परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के रोल नंबर और दस्तावेज चेक किए गए। इसके अलावा महिला अभ्यर्थियों से उनके गहनों को निकालवाने की घटना सामने आई। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की गई थी और आयोग ने सेंटरों पर इमरजेंसी जनरेटर और बल्ब की व्यवस्था की थी ताकि बिजली जाने की स्थिति में कोई परेशानी न हो। कुल मिलाकर प्रदेशभर में 117 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिसमें इंदौर में 85 और भोपाल, ग्वालियर तथा जबलपुर में अन्य सेंटर थे।

परीक्षा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था पर विशेष ध्यान

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10 संभागीय पर्यवेक्षकों और 10 विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई थी। अभ्यर्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने से पहले प्रवेश पत्र और फोटो आईडी कार्ड साथ लाने के निर्देश दिए गए थे।

जिन अभ्यर्थियों के पास प्रवेश पत्र नहीं था, उनके रोल नंबर लिस्ट के आधार पर पहचान की गई और प्रपत्र-6 भरवाकर एंट्री दी गई। पहला सत्र सुबह 10 से 11 बजे तक था और दूसरा सत्र 1 से 4 बजे तक चला। परीक्षा केंद्रों पर समय पर प्रश्नपत्र पुस्तिका भी वितरित की गई। दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की गई थी। ओएसडी आर. पंचभाई के अनुसार, जो अभ्यर्थी सह लेखकों के साथ परीक्षा देने आए थे, उन्हें अतिरिक्त समय दिया गया। एक घंटे की परीक्षा में उन्हें 20 मिनट और तीन घंटे की परीक्षा में 60 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया। सहलेखक की योग्यता एक क्लास कम होने चाहिए और यह व्यवस्था दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विशेष रूप से बनाई गई थी, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो।

मध्य प्रदेश में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों का सर्वे होगा

भोपाल, इंदौर सहित इन 8 जिलों पर खास फोकस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश में पुलिस और राज्य की खुफिया एजेंसियों की ओर से रोहिंग्या मुसलमानों का सर्वे किया जाएगा। आठ जिलों भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, रतलाम, मंदसौर, खरगोन, जबलपुर व श्योपुर में सर्वे पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन जिलों में प्रतिबंधित संगठन सिमी के सदस्य और आईएसआई एजेंट पकड़े जाने के मामले पहले भी सामने आए हैं। यहां प्रवासियों की संख्या अधिक है इसलिए इन्हें अधिक संवेदनशील माना गया है।

वापस बांग्लादेश और म्यांमार भेजा जाएगा

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बांग्लादेश व म्यांमार के अवैध प्रवासियों को खोज कर रोहिंग्या मुसलमानों इन्हें वापस भेजने की कवायद फिर से तेज कर दी गई है। इस संबंध में मध्य प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से पत्र भेजा गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश में पुलिस और खुफिया एजेंसियां मिलकर सर्वे में जुट गई हैं। गत दिनों प्रदेश पुलिस के इंटेलिजेंस विभाग द्वारा सभी पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वर्चुअल बैठक भी की गई। सर्वे के लिए ऐसी बस्तियों को चिह्नित किया जा रहा है, जहां प्रवासियों की संख्या अधिक है।

सर्वे में यह किया जाएगा

प्रवासी जहां अधिक हैं, उन इलाकों को चिन्हित कर सभी के दस्तावेज की जांच की जाएगी। यहां डोर-टू-डोर सर्वे होगा। जो संदिग्ध लगेंगे, उन्हें निगरानी में लेकर खुफिया एजेंसियों की सहायता से उनके बारे में पड़ताल की जाएगी। दूसरे राज्यों खासकर बंगाल, झारखंड, बिहार और कश्मीर से आए लोगों के दस्तावेज की जांच होगी। उनके मूल पते का वेरिफिकेशन होगा। सभी के फिंगरप्रिंट भी लिए जाएंगे। बाहर से आकर यहां नागरिकता लेने वालों की जांच होगी।

बी.एड की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के काम की खबर, एमपी के 11 कॉलेजों की मान्यता रद्द

भोपाल ■

मध्य प्रदेश के बी.एड कॉलेजेस में पढ़ाई के लिए एडमिशन लेने वालों के लिए बेहद काम की खबर सामने आई है। अगर आप बी.एड कॉलेज में एडमिशन लेने की योजना बना रहे हैं तो पहले ये सुनिश्चित कर लें कि, जिस कॉलेज में आप एडमिशन लेने जा रहे हैं उसे मान्यता प्राप्त है भी या नहीं। एनसीटीई की आधिकारिक वेबसाइट पर जांच करें। ये ध्यान रखें कि, अगर किसी कॉलेज की मान्यता रद्द हो चुकी है तो इसका मतलब है कि कॉलेज को अब शिक्षा प्रदान करने की अनुमति नहीं है।

दरअसल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने मध्य प्रदेश के 11 बी.एड कॉलेज की मान्यता रद्द कर दी है। ये सभी कॉलेज नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। हर साल भेजी जाने वाली परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट जमा नहीं की गई थी। सूची के अनुसार, ग्वालियर के दो कॉलेज ऋषिकुल ग्रुप ऑफ बीएड कॉलेज, गोविंदपुरी और फरीदा एजुकेशन सोसाइटी सत्यदेव नगर की मान्यता रद्द की गई है।

ये कॉलेज भी शामिल

इसकी पुष्टि पश्चिमी क्षेत्रीय समिति के चेयरमैन डॉ. शैलेश नारायण भाई जाला द्वारा जारी की गई बैठक की कार्यवृत्त (मिनिट्स) में की गई है। भोपाल के श्री साईंनाथ महाविद्यालय और भोज विश्वविद्यालय (ओपन यूनिवर्सिटी) सहित तीन कॉलेज, रीवा के अवधेश प्रताप सिंह ?विवि और नीरांचलम शिक्षा महाविद्यालय, सतना के स्वामी नारायण दास शिक्षा कॉलेज और सागर के पंडित बीडी मेमोरियल बीएड कॉलेज, द्रोणाचार्य एकेडमी और पंडित मेमोरियल बीएड कॉलेज की मान्यता रद्द की गई है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में भालू के हमले में घायल हुआ ग्रामीण, वन विभाग टीम ने पहुंचाया अस्पताल

उमरिया ■

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर परिक्षेत्र में रविवार को एक जंगली भालू ने ग्रामीण पर हमला कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब कुदरी गांव निवासी भैया लाल बैगा रोजमर्रा की जरूरत के लिए जंगल से लकड़ी बीनने खोहरी के जंगल पहुंचा था। उसी दौरान अचानक एक भालू ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में भैया लाल के सिर और कंधे पर गहरी चोटें आई हैं। मौके पर आसपास कोई नहीं था, लेकिन घायल अवस्था में किसी तरह उसने शोर मचाया, जिससे कुछ अन्य ग्रामीण वहां पहुंचे और घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही बीटीआर की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को उठाकर मानपुर अस्पताल लाया गया।

मानपुर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए शहडोल जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन शरीर पर गंभीर घाव होने के कारण उसे निगरानी में रखा गया है। मानपुर बफर परिक्षेत्र अधिकारी मुकेश अहिरवार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वन विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह एक आकस्मिक मुठभेड़ थी। घटना के बाद से संबंधित क्षेत्र में वन विभाग की गश्त को बढ़ा दिया गया है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने यह भी बताया कि भैया लाल की देखभाल के लिए एक वनरक्षक को अस्पताल में उसके साथ भेजा गया है। वन विभाग ने तत्काल सहायता स्वरूप घायल भैया लाल बैगा को 5,000 की आर्थिक राहत राशि प्रदान की है। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि आगे की मदद नियमानुसार दी जाएगी।

सबसे बड़ी 2.53 करोड़ की ठगी में बड़ा खुलासा स्लीपर सेल की तरह काम करते हैं गिरोह के सदस्य

ग्वालियर ■

ग्वालियर में हुई मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी 2.53 करोड़ की ठगी में पकड़े गए ठगों से एक के बाद एक बड़े खुलासे सामने आ रहे हैं। इस ठगी में पुलिस ने अब तक एमपी, यूपी, दिल्ली से कुल 19 ठगों को पकड़ा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ये ठग एक दूसरे को न जानते हैं और नहीं पहचानते हैं। मतलब यह गिरोह के सदस्य सभी स्लीपर सेल की तरह काम कर रहे हैं। ग्वालियर पुलिस अब उसे मास्टरमाइंड तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है, जो युवाओं को स्लीपर सेल के रूप साइबर फ्रॉड में उपयोग कर रहा है।

16 अप्रैल को ग्वालियर के रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर-के 2.5 करोड़ रुपये की ठगी के मामले ग्वालियर पुलिस को बड़ी सफलता मिल रही है। पुलिस ने अब तक इस पूरे मामले में 19 ठगों गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में बैंक अधिकारी, बेरोजगार युवा यहां तक कि सब्जी बेचने वाले तक शामिल हैं। वहीं, अभी हाल में ही पुलिस ने उत्तर प्रदेश से 10 युवाओं को भी गिरफ्तार किया है। यह पकड़े गये आरोपी एक दूसरे को न तो जानते हैं ना पहचानते हैं और न हीं

कभी मुलाकात हुई है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि साइबर गिरोह का मास्टरमाइंड देश के अलग-अलग बड़े शहरों में नए युवाओं को फंसा कर स्लीपर सेल के रूप में उनका उपयोग करता है इसके बदले उन्हें पैसा देता है। पकड़े गए आरोपियों से खुलासा हुआ है कि साइबर ठगों का सारा काम ऑनलाइन है इसमें कई लेयर में तो की टीम रहती है।इसमें खाता धारक हम कड़ी है। सेविंग और चालू खाता बेचने और किराए पर देने वालों की हर वक्त तलाश रहती है, लेकिन खाताधारक को यूज एंड थ्रो की तर्ज पर इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि खाते में एक बार रकम आती है तो वह नजर में आता है इसलिए दोबारा उसे खाते को इस्तेमाल नहीं करते है। साइबर क्राइम के एएसपी श्रीकृष्णा लालचंदानी का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों से अभी और पूछताछ की जा रही है। कड़ी से कड़ी जोड़ी जा रही है पकड़े आरोपियों में किसी को नहीं पता कि साइबर लुटेरों का नेटवर्क कहां से चलता है। ठगों ने खुलासा किया है कि गिरोह में सबका हिसाब से है सेविंग खाता खुलवाने वाले दलाल को 5000 खाता, बेचने वाले को 10000 मिलता है। जबकि करंट खाता खुलवाने वाले को 7000 और खाता बेचने या किराए पर देने वाले को जिस दम पर सौदा तय होता है रकम दी जाती है। करंट अकाउंट की मांग ज्यादा रहती है क्योंकि इस खाते में पैसा जमा करने की लिमिट नहीं होती।इसी तरह हैंडलर को ठगी की रकम में 10 से 15 फीसदी कमीशन रहता है सबसे ज्यादा मुनाफा सरगना की खाते में जाता है।

मध्यप्रदेश में शस्त्र लाइसेंस पर लगी रोक हटाने की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश में शस्त्र लाइसेंस जारी करने पर लगी रोक को हटाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। कालापीपल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को आत्मरक्षा के लिए शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण देने की भी मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य सफलताओं ने देशवासियों में उत्साह और राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी है।

सड़क पर विशाल हाथी और घोड़े के बीच जमकर फाइट, फिर जो हुआ उसने कर दिया सबको हैरान

रतलाम ■

रतलाम शहर में एक हाथी और घोड़े के बीच हुई लड़ाई का अजीबो गरीब मामला सामने आया है। यहां सड़क पर उत्पात मचा रहे एक हाथी को एक घोड़ा जमकर सबक सिखाता नजर आया। पहले तो दोनों के बीच जमकर लड़ाई हुई, जिसका नतीजा भी बेहद चौकाने वाला सामने आया।

आपको जानकर हैरानी होगी, शहर में एक सफेद रंग का घोड़ा विशालकाय हाथी से भिड़ गया। इसके पीछे जानकारी ये सामने आ है कि, अपने महावत के साथ मार्ग से गुजर रहे एक विशालकाय हाथी ने अचानक ही उत्पात मचाना शुरू कर दिया। हाथी, सड़क किनारे मौजूद घरों और उसके सामान को क्षति पहुंचाने लगा। जानकारी है कि, इस

दौरान हाथी ने घोड़े मालिक का भी कुछ नुकसान किया था। फिर क्या था, मालिक के नुकसान का बदला लेने उसका घोड़ा हाथी के सामने कूद पड़ा और एक के बाद एक हाथी पर हमले शुरू कर दिए। काफी देर जद्दोजहद के बाद आखिरकार हाथी को पीठ पर बैठे महावत समेत वहां से भागना पड़ा। घोड़ा भी हाथी को खदड़ने के लिए उसके पीछे-पीछे दूर तक दौड़ता नजर आया। ये हैरान कर देने वाली घटना शहर में पलसोड़ा फाटे पर घटी से गुजर रहे राहगीरों के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क परअचानक ही एक हाथी और घोड़े की लड़ाई हो गई। यहां रतलाम के पलसोड़ा फटा के पास का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक नाराज घोड़ाएक हाथी को न सिर्फ कई जगहों पर काटता नजर आ रहा है, जबकि कुछ देर बाद हाथी वहां से भागता और घोड़ा उसके पीछे दौड़ लगाता नजर आ रहा है। हालांकि, लोगों की भीड़ के बीच सड़क पर सबसे बड़ी राहत की बात ये रही कि, हाथी और घोड़े के फाइटिंग में किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया। हां बस, दोनों की लड़ाई में वहां पर खड़ी एक बाइक गिर गई। बताया जाता है कि घोड़ा किसी पहलवान का है। वह भी घोड़े को काबू में करने के लिए पीछे-पीछे भाग रहा है।

पत्रकार बनकर ट्रेन से गायब कर देता था मोबाइल...ऐसे पकड़ाया

रतलाम ■

मध्यप्रदेश की रतलाम जीआरपी को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जीआरपी ने ट्रेनों में सफर करते यात्रियों के मोबाइल फोन चुराने वाले आगर-मालवा के कपिल सेन को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 2 मई को चोरी मोबाइल फोन के साथ ही तीन अन्य मोबाइल फोन, 10 सिम कार्ड, चार लोगों के नाम के एटीएम सहित अन्य दस्तावेज जब्त हुए हैं। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जीआरपी ने एक दिन का रिमांड लिया है।

जीआरपी टीआइ मोतीराम चौधरी ने बताया 2 मई को फरियादी गालिया चरपोटा (18) निवासी रतलाम ट्रेन संख्या 19316 वीर भूमि एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रहा था। इस दौरान मोबाइल फोन चार्जिंग पाइंट पर लगाया था। रतलाम स्टेशन पहुंचने से पहले मोबाइल फोन चोरी हो गया। पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर विवेचना में लिया। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मुस्तैदी के कारण आरोपी कपिल को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के बैग से तीन अन्य मोबाइल फोन, विभिन्न कंपनियों की 10 सिम कार्ड, 4 एटीएम कार्ड, 2 लोगों के आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, ई-श्रम कार्ड, बैंक पासबुक तथा एक मेमोरी कार्ड बरामद हुआ। आरोपी के दो बैग में पहनने के कपड़े और कई होटलों के विजिटिंग कार्ड भी मिले।

महाकाल मंदिर में आम श्रद्धालुओं से दोहरा रवैया क्यों... वीआइपी को छूट

उज्जैन ■

महाकालेश्वर मंदिर में आम और वीआइपी श्रद्धालुओं के नियमों में दोहरा मापदंड खत्म नहीं हो रहा है। मंदिर परिसर में आम श्रद्धालुओं के लिए मोबाइल फोन लाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया है, वहीं वीआइपी और विशेष अतिथियों को इससे छूट दी जा रही है, जिससे लोगों में नाराजगी है। मंदिर समिति ने दो दिन पहले एक आदेश जारी किया था, जिसमें आम श्रद्धालुओं के मंदिर परिसर में मोबाइल ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया।

इसके पीछे का का कारण है ट्रैवल ब्लॉगर नैना और उनके पति अर्पित। उन्होंने गार्ड पर अभद्रता का आरोप लगा था, जिसके बाद वीडियो अपलोड कर दर्शन व्यवस्था पर कई सवाल उठाए थे। बताया था कि मंदिर प्रशासन ने दर्शनार्थियों को मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है। लेकिन राजनेता, सेलिब्रिटी या अन्य वीआइपी आते हैं, तो उन्हें अनुमति दी जाती है।

चेकिंग में पकड़ाया

अजय बैरागी ने दिल्ली सहित अन्य जगह से आए 7 श्रद्धालुओं से शीघ्र दर्शन के नाम पर 1100-1100 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से मांगे थे। चैकिंग के दौरान वह पकड़ा गया। जब महाकाल मंदिर समिति और प्रशासनिक अधिकारियों से इस बारे में सवाल किए तो स्पष्ट जवाब नहीं मिला। एक अधिकारी ने नाम न

छापने की शर्त पर बताया कि मंदिर में विशेष अतिथियों की सुरक्षा और समान को ध्यान रखते हुए उन्हें छूट दी जाती है। लेकिन सवाल यह उठता है कि धार्मिक स्थानों पर नियमों की समानता क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या मंदिर जैसे पवित्र स्थल पर भी वीआइपी संस्कृति और भेदभाव को स्वीकार किया जाना चाहिए?

व्यवस्था से श्रद्धालुओं में आक्रोश

मंदिर में दोहरे मापदंड से आम श्रद्धालु खुद को ठगा और उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। बाहर से दर्शन करने आए भक्त रमेश चौधरी ने कहा, हम दूर-दूर से बारी-बारी से लाइन में लगकर दर्शन करते हैं, मोबाइल तक जमा कराना पड़ता है। वहीं कुछ लोग मोबाइल के साथ मंदिर में पहुंचते हैं। यह भेदभाव क्यों? स्थानीय श्रद्धालु भी इस व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। महिला भक्त ने कहा, मोबाइल बाहर जमा होते हैं, लेकिन कुछ लोग तो लेकर आ रहे हैं, अगर नियम हैं तो सबके लिए समान हों।

सती से कार्रवाई की जाएगी

मंदिर के गर्भगृह, नंदी हॉल और कार्तिकेय मंडपम में किसी को भी फोटो-वीडियो लेने से सती से रोक रहे हैं। कुछ श्रद्धालु फूलों की टोकरी के अंदर छुपाकर ले जाते हैं, लेकिन जैसे ही वे वीडियो या फोटो के लिए मोबाइल निकालते हैं, उन्हें वहीं रोका जाता है। मंदिर परिसर में कुछ लोगों को मोबाइल ले जाने दिया जा रहा है लेकिन यदि वे फोटो-वीडियो करते पाए जाते हैं, तो सती से कार्रवाई की जाएगी। **-एसएन सोनी, उप प्रशासक महाकाल मंदिर**

क्लीन डवलपमेंट मेकनिज्म और संयुक्त क्रियान्वयन से कम होगी ग्लोबल वार्मिंग !

अभी जून के महीने की शुरूआत ही हुई है और मार्च से ही लगातार ताबड़तोड़ गर्मी पड़ रही है। आज भारत ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व ग्लोबल वार्मिंग की समस्या का लगातार सामना कर रहा है। आज संपूर्ण विश्व में सबसे बड़ी चिंताएं या तो पर्यावरण प्रदूषण को लेकर हैं अथवा ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन को लेकर। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने एक रिपोर्ट जारी की है।रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है कि 80 प्रतिशत संभावना है कि साल 2025 और 2029 के बीच के साल 2024 से ज्यादा गर्म होंगे।

सुनील कुमार महला
(लेखक)

ग्लोबल हेराल्ड

दूसरे शब्दों में कहें तो अगले पांच वर्षों में कम से कम एक साल 2024 से अधिक गर्म होने की संभावना है, जिसे अब तक का सबसे गर्म वर्ष माना गया है। जानकारी के अनुसार 1850-1900 के औसत तापमान की तुलना में सतही तापमान 1.2 डिग्री से 1.9 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।यह बहुत ही चिंताजनक है कि साल 1880 से जब से तापमान के बारे में रिकार्ड रखना शुरू किया गया, उनमें से पिछले 11 साल, लगातार अब तक के रिकॉर्ड में सबसे गर्म रहे हैं। पाठकों को बताता चलूं कि रिपोर्ट में डब्लूएमओ ग्लोबल एनुअल टू डेकाडल क्लाइमेट अपडेट (2025-2029) ने यह भी अनुमान लगाया है कि 70 प्रतिशत संभावना है कि 2025-2029 के लिए पांच साल का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाएगा, जिससे धरती पर लगातार और गंभीर हीटवेव, सूखा जैसे हालात होंगे।यह पिछले साल की साल 2024-2028 के लिए डब्लूएमओ रिपोर्ट में बताई गई 47 प्रतिशत संभावना और साल 2023-2027 के लिए 2023 रिपोर्ट में बताई गई 32 प्रतिशत संभावना से ज्यादा है। वास्तव में, यह सीमा अहम और महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि, यह पेरिस समझौते के लक्ष्यों में से एक है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि साल 2015 के पेरिस जलवायु समझौते के तहत वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे और यदि संभव हो तो 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने का लक्ष्य रखा गया था। आज हम कोयला, तेल और गैस का औद्योगिक पैमाने पर इस्तेमाल लगातार कर रहे हैं और वैज्ञानिक यह बात मानते हैं कि 1.5 डिग्री सेल्सियस का लक्ष्य लगभग असंभव हो गया है, क्योंकि कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन अभी भी धरती पर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि जब भी धरती का तापमान बढ़ता है तो इसके बहुत ही दूरगामी और व्यापक असर पड़ते हैं। मसलन, इससे संपूर्ण विश्व की अर्थव्यवस्थाओं, हमारे दैनिक जीवन, हमारी पारिस्थितिकी प्रणालियों, वनस्पतियों , जीवों या यूं कहें कि हमारे पूरे नीले ग्रह पर इसका नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इससे (ग्लोबल वार्मिंग से) कहीं न कहीं सतत विकास का जोखिम बढ़ता है। बहरहाल,रिपोर्ट के अनुसार, तापमान वृद्धि से चरम मौसमी घटनाएं और गंभीर होंगी, जैसेः अधिक गर्मी और भारी बारिश। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती है तो इससे सूखा, बर्फ का पिघलना, और समुद्र के जलस्तर में वृद्धि जैसी घटनाएं घटित होतीं हैं तथा समुद्र का तापमान भी बढ़ता है और इससे समुद्री जीवन प्रभावित होता है।ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, भारत, चीन और घाना में बाढ़, कनाडा में जंगल की आग ग्लोबल वार्मिंग के उदाहरण कहे जा सकते हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि यूके मौसम विभाग(यूके मेट आफिस) ने भी 2025 के लिए एक जलवायु पूवार्नुमान रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 2025 को अब तक के तीन सबसे गर्म वर्षों में से एक होने की संभावना व्यक्त की गई है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो सकता है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि विश्व मौसम विज्ञान संगठन और यूके मेट आफिस दुनिया की दो सबसे शीर्षस्थ एजेंसियां हैं जो

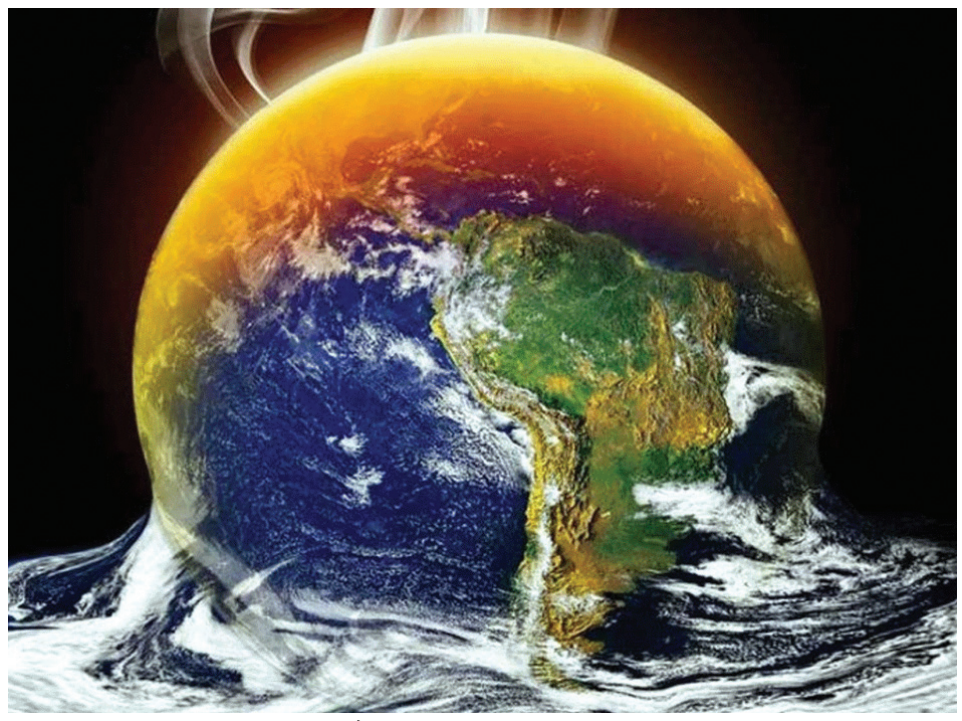

कि जलवायु पूवार्नुमान रिपोर्ट जारी करतीं हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मानवीय ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन का आज एक मुख्य कारण है । ग्लोबल वार्मिंग पर इनके प्रभाव विनाशकारी हैं और यह अधिकाधिक आवश्यक होता जा रहा है कि इन उत्सर्जनों को कम किया जाए, ताकि मानव को ग्रह पर इतना दबाव डालने से रोका जा सके। स्थिति इतनी गंभीर है कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अनुमान लगाया है कि यदि हम इसी तरह जारी रखेंगे तो 2050 तक उत्सर्जन में 130% की वृद्धि होगी । यह विडंबना ही कही जा सकती है कि क्योटो प्रोटोकॉल जैसे समझौतों के बावजूद, कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में वृद्धि जारी है। वैसे कमोबेश विश्व के लगभग सभी देश वैश्विक प्रदूषण के उच्च स्तर के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार चीन (30 प्रतिशत), संयुक्त राज्य अमेरिका (15 प्रतिशत), भारत (7 प्रतिशत), रूस(5 प्रतिशत) और जापान (4 प्रतिशत) वैश्विक प्रदूषण के लिए जिम्मेदार देश हैं। इनमें भी चीन का निर्यात बाजार बहुत बड़ा है जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक डाइऑक्साइड उत्सर्जित करता है। यहां यदि हम भारत की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि दुनिया के 15 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 भारत में हैं। देश में वायु गुणवत्ता की सुरक्षा के लिए 1981 से ही कानून लागू है, लेकिन जीवाश्म ईंधनों के जलने की दर में काफी वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप भारत विश्व में सर्वाधिक प्रदूषण फैलाने वाले देशों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। वहीं पर रूस तेल, कोयला, गैस और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता के कारण बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करता है। यदि हम यहां पर जापान की बात करें तो जापान विश्व में जीवाश्म ईंधन का सबसे बड़ा उपभोक्ता और ग्रीनहाउस गैसों का पांचवा सबसे बड़ा उत्सर्जक है। बहरहाल, यह दुर्भाग्य की बात है कि दुनिया के बड़े और विकसित देश आज कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं दिख रहे हैं। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि दुनिया के समृद्ध देश आज कार्बन उत्सर्जन कम करने को अपना दायित्व नहीं मानते और न ही अपनी सामर्थ्य के अनुसार अधिक धन देने के लिए ही तैयार नजर आते हैं। हालांकि इसी बीच अच्छी बात यह भी है कि भारत ने 2070 तक कार्बन तटस्थता का लक्ष्य निर्धारित किया है, और यूरोपीय संघ ने 2050 तक 'शुद्ध-शून्य' उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। कई अन्य देशों ने भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उत्सर्जन में कमी करने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जैसे कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और नवीकरणीय ऊर्जा पर स्विच करना। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने उत्सर्जन तीव्रता में कमी लाने के लिए 'कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम, 2023' को अधिसूचित किया है। इतना ही नहीं,भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा पर स्विच करने और ऊर्जा दक्षता में सुधार करने के लिए कई योजनाएं और नीतियां बनाई हैं, जैसे कि सौर ऊर्जा का उपयोग करना आदि। अंत में यही कहूंगा कि ग्लोबल वार्मिंग आज किसी देश विशेष की समस्या नहीं है, अपितु यह हम सभी की एक सामूहिक समस्या है और इसके लिए हमें एक दूसरे के सहयोग के साथ आगे आना होगा और पूर्ण प्रतिबद्ध और कृतसंकल्पित होकर काम करना होगा। वास्तव में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए वर्ष 1997 के क्योटो प्रोटोकॉल द्वारा विकसित देशों को जो तीन विकल्प क्रमशः अंतर्राष्ट्रीय उत्सर्जन व्यापार,क्लीन डवलपमेंट मेकनिज्म और संयुक्त क्रियान्वयन पर मुस्तैदी और पूरी तन्मयता से काम करना होगा तभी हम इस गहराती समस्या से निपट सकेंगे।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

अतिक्रमण के खिलाफ निगम, जिला प्रशासन और पुलिस की सख्ती

चार जून से चलेगा संयुक्त अभियान, नगर निगम सभाकक्ष में हुई अतिक्रमण अभियान को लेकर बैठक

छिंदवाड़ा ■

छिंदवाड़ा शहर की मुख्य सडकों में फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए 4 जून से नगर निगम, प्रशासन, पुलिस संयुक्त कार्रवाई करेंगे। कार्रवाई पूरी तरह अभियान के रूप में रहेगी। जिसके लिए निगम एवं प्रशासन तीन जून तक कार्ययोजना तैयार करेंगे। इसके लिए एसडीएम सुधीर जैन, निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय ने जनप्रतिनिधियों, निगम अतिक्रमण दस्ता एवं मीडिया से सुझाव भी लिए।

इस अवसर पर पूर्व निगम अध्यक्ष एवं भाजपा की ओर से धर्मेंद्र मिगलानी, सभापति प्रमोद शर्मा, राहुल बंटी उइके एवं संजीव रंगू यादव, तहसीलदार सच्चिदानंद त्रिपाठी, अतिक्रमण दल प्रभारी उपयंत्री दिलीप सिंह, कार्यालय अधीक्षक मोहन नागदेव आदि मौजूद रहे। अतिक्रमण अभियान 15 जून तक चलेगा। शहर में बार बार अतिक्रमण होने एवं अतिक्रमण हटाने के अभियान को लेकर इस बात पर राय बनी कि दुकानों से बाहर सामान निकालकर सडक तक सजाने वाले दुकानदारों पर एक दो चेतावनी के बाद जुमार्ने लगाया जाए। इसके साथ ही खुले स्थलों पर गुमठी, ठेले आदि हटाकर पौधरोपण किया जाए।

पार्किंग पर खड़े हों वाहन

शहर में मुख्य रूप से जेल तिराहा से ईएलसी चौक, फव्वारा चौक से गोलगंज, राममंदिर, अनगढ़ हनुमान मंदिर से बुधवारी, इतवारी, एवं शनिचरा बाजार में अतिक्रमण कार्रवाईह होगी। इसके साथ ही निर्धारित किए गए पार्किंग स्थलों में सख्ती से वाहन खड़े करने की बात कही गई। बैठक में पालिका मार्केट के आसपास के दुकानदार एवं उनके कर्मचारियों

के वाहनों को अनिवार्य रूप से पालिका मार्केट की पार्किंग में खड़ा करने की बात उठी।

हाकर्स कार्नर, मटन मार्केट सोनपुर में बनाने का सुझाव

वार्ड 24 के पार्षद एवं सभापति संजीव यादव ने बैठक में फुटपाथी दुकानदारों के लिए सोनपुर में 500 एकड़ भूमि के होने की बात बताते हुए हाकर्स कार्नर एवं मटन मार्केट बनाए जाने का सुझाव दिया। जिस पर अधिकारियों ने विचार करने की बात कही। इसके साथ ही पूर्व में घोषित हाकर्स कार्नरों से दुकानों के हटाने का मामला भी प्रकाश में आया। निगम आयुक्त सीपी राय ने कहा कि आवागमन सुलभ करने के लिए सभी पहलुओं पर गौर करते हुए अतिक्रमण हटाने का अभियान चलेगा। किसी का नुकसान भी न हो, और यातायात के लिए सडक भी अतिक्रमण मुक्त हो।

पोस्ट ऑफिस से लेकर गोलगंज तक का उठा मुद्दा

बैठक में पूर्व में हटाए गए अनगढ़ हनुमान मंदिर से लेकर प्रधान डाकघर के सामने के अतिक्रमण का मामला भी उठा, जिसमें अतिक्रमण कारियों के दोबारा काबिज होने की बात कही गई। वहीं लोगों ने कमानिया गेट को संकरा करते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए भी प्रशासन से कार्रवाई के संबंध में पूछा। मौजूद लोगों ने फव्वारा चौक से राममंदिर तक ठीक तरह से आवागमन नहीं हो पाने की बात कही। एसडीएम सुधीर जैन ने बिजली कंपनी को हिदायत दी कि किसी भी स्थल का स्थाई या अस्थाई बिजली कनेक्शन देने के पहले निगम की एनओसी अनिवार्य होनी चाहिए। अभी तक टीसी कनेक्शन के लिए बिजली कंपनी निगम की एनओसी की जरूरत नहीं समझती थी, लेकिन अब कनेक्शन के लिए निगम का वैरीफिकेशन होना जरूरी है। एसडीएम ने कहा कि शहर में महानगरों की तरह माहोल बनाना होगा, ताकि अतिक्रमण दस्ते को देखते हुए दुकाने अपने दायरे में हो और अतिक्रमण खुद हटा लिया जाए।

बल्ड प्रेशर सामान्य रहने से शरीर की आधी बीमारी गायब -डॉ जाखड़

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। हमारे शरीर के हाथ पैर में कई पॉइंट ऐसे होते है जिनको प्रेशर देने से कुछ बीमारियों का उपचार हो जाता है। अगर हम एक्यूप्रेशर मशीन नहीं है तो हमें नंगे पैर 20 मिनिट तक हरि घास या खुली जमीन पर चलने से हमरा बल्ड प्रेशर सामान्य बना रहता है। बल्ड प्रेशर सामान्य रहने से शरीर की आधी बीमारी गायब हो जाती है। उक्त बात एक्यूप्रेशर वाइब्रेशन एवं सुजोक थेरेपी शिविर में हरियाणा से डॉ पी आर जाखड़ ने शिविर के समापन के अवसर पर सत्यनारायण मंदिर पर शाम साढ़े 6 बजे व्यक्त किए।

अग्रवाल समाज के सुनील अग्रवाल व निलेश अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल समाज द्वारा 19 मई से सात दिवसीय एक्यूप्रेशर वाइब्रेशन एवं सुजोक थेरेपी शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में मरीजों का लाभ मिलने व महिलाओं की मांग पर अग्रवाल समाज महिला मंडल द्वारा शिविर को 6 दिन बड़ा कर 31 मई तक बड़ा दिया गया था। शिविर में 365 मरीजों का रजिस्ट्रेशन होकर उपचार किया गया। इस दौरान अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्यामसुंदर तायल ने कहा कि सामाजिक स्तर पर यह शिविर सफल रहा है। बिना दवाई के चुंबकीय पद्धति व एक्यूप्रेशर वाइब्रेशन से लोगो को बड़ा फायदा मिला है। प्रतिदिन 70 से 75 लोग शिविर का लाभ ले रहे थे। कैलाश एरन ने कहा कि समाज द्वारा पूर्व में भी दो से बार शिविर का आयोजन किया गया था। यह अति प्राचीन पद्धति है। निम हकीम ऋषि मुनि व वैध इसी पद्धति से उपचार करते थे। ज्योत्सना अग्रवाल ने कहा कि शिविर में विशेष कर महिलाओं को एक्यूप्रेशर वाइब्रेशन एवं सुजोक थेरेपी पद्धति से लाभ मिल रहा था उन्होंने आग्रह पर महिला मंडल ने सात दिवसीय शिविर को आगे बढ़ा कर 31 मई तक कर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया आभार निलेश अग्रवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में गिरधारी गोयल, सौरभ तायल,सुशीला सिंहल, रानी मंगल, सपना गोयल, निर्मला मित्तल, मीना गर्ग, रितु गोयल, संगीता मित्तल आदि मौजूद थी।

दूसरी बेटी की भी मौत हो गई तो शव लेकर मंदिर पहुंच गए पिता, भगवान से ऐसे की शिकायत

बेतुल ■

कुछ समय पहले ही वे एक बेटी खो चुके थे, दूसरी बेटी की भी एकाएक मौत हो गई। दोनों बेटियों के यूं चले जाने से पिता व्यथित हो उठे। 5 माह की बेटी का शव लेकर वे सीधे मंदिर पहुंचे और भगवान से शिकायत करने लगे। बेटियों की मौत का सदमा नहीं सह सके। बदहवास पिता ने मानसिक संतुलन खो दिया। उन्होंने मंदिर में मूर्तियों में ही तोड़फोड़ कर दी। भगवान की मूर्तियां खंडित करने पर लोगों ने पुलिस को शिकायत कर दी जिसके बाद पिता को गिरफ्तार कर लिया गया।

एमपी के बैतूल जिले में यह वारदात हुई। यहां के मुलताई के मासोद चौकी के झालमऊ गांव में अपनी ?बेटी की मौत से पिता ने मानसिक संतुलन खो दिया वे बेटी का शव लेकर भगवान से शिकायत करने मंदिर चले गए और यहां तोड़फोड़ चालू कर दी। ग्रामीणों ने तुरंत डायल 100 को सूचना देकर बुला लिया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पिता को पकड़ लिया। मासोद चौकी प्रभारी वसंत अहाके ने बताया कि गांव का बलिराम उईके अपनी 5 माह की बेटी का शव लेकर मंदिर पहुंचा था। उसने वहां स्थापित मूर्तियों को खंडित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बलिराम की एक बेटी की कुछ समय पहले ही मृत्यु हुई थी। उसकी दूसरी बेटी ने भी दम तोड़ दिया तो वह बदहवास हो गया।

गांधी के दौरे को लेकर पीसीसी में हाई लेवल मीटिंग... एआईसीसी से अभियान के लिए 11 पर्यवेक्षक नियुक्त

भोपाल ■

मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है इसी कड़ी में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 3 जून को भोपाल आ रहे हैं। राहुल गांधी भोपाल में सृजन कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इसे लेकर तैयारियां तेज हो गई रविवार को पीसीसी में कांग्रेस की हाई लेवल बैठक बुलाई गई जिसमें प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। बैठक में सभी नेताओं को तैयारियों को लेकर जिम्मेदारी दी गई है। इधर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्य प्रदेश

में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए 11 एआईसीसी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

इसलिए हुई पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्य प्रदेश के लिए 11 अतिरिक्त एआईसीसी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति मंजूर कर दी है। यह नियुक्तियां पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत की गई हैं, जिनका उद्देश्य राज्य में पार्टी के संगठन और समन्वय को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना है। इन पर्यवेक्षकों में धीरज गुर्जर, दानिश अबरार, दिव्या मदेरणा, इंदिरा मीना, मुकेश भाकर, मनीष यादव, डॉ. रागिनी नायक, अमीत सुभाषराव झनक, रवि बहादुर, राघवेंद्र कुमार सिंह और गुरुदयाल सिंह बंजारे को शामिल किया गया है।

किसी भी कार्यकर्ता से वन टू वन कर सकते राहुल

राहुल गांधी के इस दौरे को पार्टी ने संगठन सृजन अभियान का नाम दिया है। इस दौरे में राहुल गांधी कांग्रेस संगठन की सबसे अहम कड़ी जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे।इसके अलावा पार्टी संगठन के अलग अलग विभागों की बैठके लेंगे। राहुल गांधी मध्य प्रदेश से जुड़े किसी भी कार्यकर्ता और नेता से वन टू वन भी कर सकते हैं।

वनवासी कन्या आश्रम निवाली में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से छात्रावास भवन का निर्माण

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं के लिए कस्तूरबा गांधी वनवासी कन्या आश्रम निवाली में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से 240 छात्राओं के आवास हेतु एक नवीन छात्रावास भवन का निर्माण किया जाएगा। इसको लेकर अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने निवाली जाकर स्थान का निरीक्षण किया। उक्त जानकारी भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने दी।

अग्रवाल ने बताया कि कस्तूरबा गांधी वनवासी कन्या आश्रम निवाली में अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं की शिक्षा, संस्कार एवं आत्मनिर्भरता के लिए विगत सात दशकों से समर्पित रूप से कार्य कर रहा है। जिसके अंतर्गत कन्याओं के बौद्धिक विकास व उनके जीवन स्तर को बढ़ावा देकर उन्नत शिक्षा के लिए अपने प्रयास से आधुनिक छात्रावास के निर्माण के संबंध में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने आज मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले की अंतर्गत स्थित कस्तूरबा गांधी वनवासी कन्या आश्रम, निवाली का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष आर्य ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से लगभग 2.5 करोड़ रुपये की लागत से 240 छात्राओं के आवास हेतु एक नवीन छात्रावास भवन का निर्माण किया जाएगा। जिसके अंतर्गत राशि स्वीकृत होकर टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। जुलाई माह में भूमि पूजन के उपरांत निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। जिससे बच्चियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होकर अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकेगी।

एम्स में पहली बार हुई 20 दिन के नवजात की MRI, ब्रेन इंजरी से पीड़ित था नवजात, चिकित्सकों ने बचाई जान

भोपाल ■

राजधानी स्थित एम्स लगातार नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। नए-नए प्रयोग से मरीजों की जटिल बीमारियों का इलाज सरल हो रहा है। इसी कड़ी में एम्स भोपाल में पहली बार मात्र 20 दिन के वनजात की एमआरआई की गई है।दरअसल एमआरआई जांच आमतौर पर एक वयस्क मरीज के लिए डर भरे अनुभव जैसा होता है।

मशीन से निकलने वाला तेज शोर और अंदर जाने पर सीमित जगह होने से कई मरीजों को बेचैनी होने लगती है। जो इस जांच को मुश्किल बना देती है। वहीं, यदि नवजात की जांच करनी तो यह लगभग असंभव सा लगता है।ब्रेन से जुड़ी गंभीर समस्या से ग्रसित एक 20 दिन के नवजात की एम्स में एमआरआई की गई। इसके लिए एक विशेष टीम तैयार की गई, जिसने एनेस्थीसिया की मदद से यह जांच की है। जो 45 मिनट तक चली।

बेहद जटिल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया

चिकित्सकों ने बताया कि नवजात शिशु की बेहद जटिल एमआरआई प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। जिसने उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई है। हाल ही में एम्स भोपाल में एक नवजात

शिशु को मस्तिष्क संबंधी गंभीर समस्या की आशंका के चलते रेफर किया गया था। कई जांच होने के बाद भी समस्या की ठीक से पुष्टि नहीं हो पा रही थी।

नवजात के लिए बेहद खतरनाक

जिसके बाद डॉक्टरों ने शिशु की एमआरआई कराने का फैसला किया। लेकिन, यहां असली चुनौती सामने आई कि एमआरआई मशीन का अत्यधिक तेज शोर और उसका बंद वातावरण किसी भी नवजात के लिए बेहद खतरनाक हो सकता था। इस उम्र में बच्चे असहज होने पर हिलते डुलते हैं, जिससे जांच खराब हो सकती है या शिशु को नुकसान पहुंच सकता है। एम्स के चिकित्सकों ने बताया कि आमतौर पर नवजातों के मस्तिष्क की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड का उपयोग होता है। यह कई मामलों में कारगर है लेकिन जब गहन मूल्यांकन की आवश्यकता हो तब इससे सटीक जानकारी नहीं मिलती है। ऐसे में एमआरआई ही एकमात्र विकल्प बचता है।

रात में प्रेमिका से मिलने घर पहुंचा प्रेमी, कुछ देर बाद मची चीख पुकार

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक प्रेमी ने अपनी ही प्रेमिका की नाक काट दी और शरीर के कई अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोट पहुंचाई हैं। युवती को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पीड़ित युवती का रिश्तेदार बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक और युवती एक ही समाज के हैं और आपस में रिश्तेदार भी हैं। जिनके बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। बीती रात प्रेमी युवक युवती से मिलने के लिए उसके घर पहुंचा था। वो रात में ही युवती को घर से भगाकर ले जाना चाहता था लेकिन जब युवती घर से भागने के लिए राजी नहीं हुई तो उसने गुस्से में आकर हमला कर दिया।

सरकारी घोषणाओं के झरनों में सूखते भारत की पुकार !

पानी के लिए तरसती आंखें, सूखते कंठ, और एक झूठ जो हर चुनावी मंच पर झाग की तरह फूटता है—हर घर नल से जल। महाराष्ट्र के नासिक जिले का पेठ तालुका और उसका एक छोटा-सा गांव बोरीचिवारी, उस झूठ का ऐसा आईना है जिसमें सत्ता का चेहरा अब भी चमकता नहीं, बल्कि धुंधलाता हुआ नजर आता है। यहाँ की महिलाएं आज भी जान हथेली पर रखकर कुएं में उतरती हैं, अपने और अपने परिवार के लिए कुछ बूंदें पानी की तलाश में। विकास के दावों की छाती पर चढ़कर जब लोकतंत्र की ये बेटियाँ रस्सियों के सहारे नीचे उतरती हैं, तब यह दृश्य अमृतकाल नहीं, अपवित्र त्रासदी की गाथा गढ़ता है। वैसे ये तस्वीर सिर्फ नासिक के एक गांव की नहीं, सूखते कंठ की दर्द भरी दास्तां राष्ट्रव्यापी समस्या बन चुकी है। महाराष्ट्र के नासिक से लेकर झारखंड के पलामू तक, जल संकट की त्रासदी एक ऐसी सच्चाई है, जो सरकार के हर घर जल जैसे तमाम वादों और अभियानों की पोल खोलती है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में नल से जल उपलब्ध कराने का दावा किया गया, लेकिन कैग और नीति आयोग की रिपोर्टें बताती हैं कि यह योजना आंकड़ों के मायाजाल से आगे नहीं बढ़ पाई।

सोनम लववंशी
लेखिका
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

नीति आयोग की जल प्रबंधन सूचकांक 2018 की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि 2030 तक देश के 21 शहरों का भूजल पूरी तरह समाप्त हो सकता है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब भी 15 करोड़ से ज्यादा लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। विगत वर्षों में लातूर को ट्रेन से पानी भेजना पड़ा, बुंदेलखंड में महिलाएं निर्वस्त्र होकर प्रदर्शन करती हैं, और झारखंड के गाँवों में लोग पेड़ों से रिसती बूंदों को जमा करके पीते हैं। ये घटनाएं 21वीं सदी की नहीं लगतीं, फिर भी ये हमारे आज की सच्चाई हैं। विश्वगुरु बनाने को लालायित देश की हकीकत है, लेकिन रहनुमाओं को सिर्फ अपनी फिक्र है। तभी तो बोतलबंद पानी पीने वाले नेतागण नमामि गंगे, अटल भूजल योजना और जल क्रांति अभियान जैसे कार्यक्रम को शुरू कर ही अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं। राष्ट्रीय सैंपल सर्वे के अनुसार, ग्रामीण महिलाओं को प्रतिदिन 2-3 घंटे पानी लाने में गंवाने पड़ते हैं, जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होता हैं। जबकि यूनेस्को की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में जल संकट सामाजिक असमानता और जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर एक गहरी मानवीय आपदा का रूप ले चुका है, और यह अब चेतावनी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। इतना ही नहीं स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति जल की अनुपलब्धता के कारण भी प्रभावित होती है। यूनेस्को की ही एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, जल संकट वाले क्षेत्रों में लड़कियों की ड्रॉप-आउट दर लगभग 23 प्रतिशत से अधिक होती है। दूसरी तरफ हमारी रहनुमाई व्यवस्था है, जो 2024 आकर बीत जाने के बाद भी हर घर नल वाला सपना भूल गई है। पीएम मोदी ने लालकिले से घोषणा की थी कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत देश के हर ग्रामीण घर को नल से शुद्ध पानी मिलेगा। सरकारी पोर्टल्स और पीआईबी की प्रेस रिलीजों में सफलता की झिलमिलाती कहानियाँ दर्ज हैं, करोड़ों कनेक्शन दिए जा चुके हैं, ग्राफ ऊपर की ओर जा रहे हैं और कागजों में भारत प्यासा नहीं है। लेकिन बोरीचिवारी में जमीन पर उतरते ही ये आँकड़े गले में अटक जाते हैं। महिलाओं के हाथों में मटके हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं, शिकायतें भरी हैं। कुएं में उतरकर पानी निकालने की उनकी आदत आजादी के 75 साल बाद भी

नहीं छूटी, क्योंकि नल उनके घर की दीवारों पर सिर्फ.एक मेटल का पाइप है जो सूखा और खामोश है। ऐसे में क्या यही है अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस मनाने का औचित्य? क्या यही है यूनिसेफ और नीति आयोग की सिफारिशों पर खरे उतरने वाला भारत? यदि जल जीवन मिशन इतना सफल रहा है, तो फिर क्यों पेठ तालुका के बोरीचिवारी, भोर, त्र्यंबकेश्वर, अक्कलगांव जैसे गांवों की बच्चियां स्कूल के बजाय दिन भर पानी की लाइन में लगी रहती हैं? क्या उनके लिए शिक्षा का अधिकार अब भी सिर्फ किताबों में छपी इबारत है? भारत के संविधान की धारा 21 जीवन के अधिकार की बात करती है, जिसमें स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बुनियादी मानवीय अधिकार माना गया है। लेकिन इस अधिकार को पाने के लिए इन महिलाओं को कुएं की गहराई में उतरना पड़ता है, बिना सुरक्षा के महज एक रस्सी के सहारे। क्या इसी को सुशासन कहते हैं? महाराष्ट्र में ही 2023-24 के बजट में जल संसाधन परियोजनाओं के लिए 15,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की गई थी। जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार ने 3.6 लाख करोड़ का प्रावधान किया था। इन योजनाओं का लाभ किसे मिला? क्या ठेकेदारों को? क्या टेंडर लेने वाले निगमों को? या फिर अधिकारियों की ट्रैवल रिपोर्ट्स को, जिनमें प्रोजेक्ट्स ऑन ट्रैक लिखा होता है? सरकारें आती हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन प्यास नहीं बुझती। नासिक जैसे अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी जब ये स्थिति है, तो आदिवासी और घने जंगलों में बसे गांवों की दशा की कल्पना मात्र ही सिहरन पैदा कर देती है। पेठ का यह गांव न तो बाढ़ग्रस्त है, न भूकंप-प्रभावित, फिर भी यहाँ पीने का पानी नहीं। क्यों? जल संकट कोई अचानक आई आपदा नहीं, यह तो लंबे समय से तैयार किया गया एक सामाजिक अपराध है—संवेदनहीनता का परिणाम। ग्राउंड वाटर लेवल गिरता रहा, तालाब और जलाशयों पर मॉल खड़े होते रहे, जल संरचनाओं की मरम्मत कागजों तक सीमित रही, और जनता को आश्वासन के पानी से बहलाया जाता रहा। कभी सरकारी बाबू कहते हैं कि पाइपलाइन बिछाई जा रही है, तो कभी सरपंच कहते हैं कि बिजली नहीं है, पंप चालू नहीं हो सकता। लेकिन असली सवाल कोई नहीं उठाता कि आखिर इन योजनाओं की मॉनिटरिंग कौन कर रहा है? पेठ जैसी जगहों में आरटीआई के जरिए पूछे गए सवालों के जवाब अक्सर रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कहकर टाल दिए जाते हैं। जनसुनवाई की बैठकें नदारद हैं और जनता के हिस्से में सिर्फ एक सुनो और भूल जाओ वाली व्यवस्था है। यह तस्वीर केवल एक गांव की नहीं है, यह तस्वीर उस राष्ट्र की है जो अब भी अपनी 50 करोड़ ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पानी की न्यूनतम गारंटी नहीं दे सका है। दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन की बड़ी-बड़ी कांफ्रेंस में भारत भागीदारी करता है, लेकिन अपने गांवों में पानी की कमी से आत्महत्या करते किसानों की सूची तक नहीं बनाता। क्या हमने कभी सोचा है कि जब एक बच्ची हर दिन 3-4 घंटे पानी लाने में खर्च करती है, तो उसकी शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है? जब एक माँ, जो प्रसव के बाद बमुश्किल ठीक हुई हो, कुएं में उतरती है, तो उसे जिंदगी की कितनी कीमत चुकानी पड़ती है? और जब पानी की एक बाल्टी के लिए झगड़े होते हैं, तो समाज के ताने-बाने पर कैसा असर होता है? सरकारों के पास पानी पर राजनीति का अद्भुत हुनर है। कभी इसे मुफ्त देने का वादा, कभी टैक्स घटाने का एलान, और कभी नदी जोड़ो योजना जैसे विकासशील स्वप्न। लेकिन जब जमीनी हालात से इन्हें टकराया जाता है, तो हकीकत वही रहती है सूखे नल, टूटे बर्तन और कुएं में उतरती ज़िंदगियाँ। क्या इन महिलाओं ने भारत माता की जय नहीं बोला? क्या इन्होंने भी वोट नहीं दिया था? क्या इनके आँसू भी राष्ट्रगीत के सुरों से कमजोर हैं? अगर नहीं, तो क्यों इनकी प्यास पर सिर्फ भाषण मिलता है, योजना नहीं? क्या लोकतंत्र सिर्फ चुनाव जीतने की मशीन है और जनता सिर्फ एक आँकड़ा? आज अगर बोरीचिवारी की कोई महिला संविधान की धारा 21 के तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दे कि उसे पीने के पानी की गारंटी दी जाए, तो क्या हम उसे विजयी कहेंगे या सरकारी तंत्र को बदनाम करने वाली? दुख इस बात का है कि हम तकनीक की बात करते हैं, चंद्रयान की उपलब्धियों पर तालियाँ बजाते हैं, लेकिन धरती पर मौजूद कुएं के पानी तक पहुँचने के लिए हमारे पास कोई समाधान नहीं है। हम स्मार्ट सिटी बना रहे हैं, लेकिन बोरीचिवारी के लिए एक सिंपल पंप सेट भी नहीं लगा पाए और जब अगली बार प्रधानमंत्री कैमरे के सामने कहेंगे कि जल जीवन मिशन एक सफलता है, तो क्या बोरीचिवारी की कोई माँ अपना मटका दिखाकर पूछ सकेगी—मोदी जी, इसमें क्या भरूं? ऐसे में ये शब्द सिर्फ सरकार की विफलता पर कटाक्ष नहीं, बल्कि लोकतंत्र के असल मतलब की पुनर्परिभाषा है। पानी किसी का अहसान नहीं, यह हक है और जब हक नहीं मिलता, तो नागरिकता की गरिमा भी खो जाती है। बोरीचिवारी की महिलाएं नायक नहीं बनना चाहतीं, वे बस इंसान बनकर जीना चाहती हैं। वे पुरस्कार नहीं चाहतीं, उन्हें बस पानी चाहिए। इतना पानी, जितना किसी भी विश्वगुरु देश के नागरिक को बिना जान गंवाए मिल सके, परंतु जब पानी भी एक विकास कथा में बदल जाए, तो समझिए कि लोकतंत्र की आत्मा सूखने लगी है। शायद अब हमें कुएं में सिर्फ पानी नहीं, अपना जमीर भी तलाशना होगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

सत्ता और नैतिकता में विरोधाभास क्यों?

संजीव ठाकुर
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। इसके अलावा प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि ₹मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है₹ भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है,किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा में नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है,और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी ,बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने में कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।

ब्रह्मपुत्र के बहाव रोकने चीन की भारत को धमकी

सनत जैन | लेखक

पाकिस्तान के पक्ष में और भारत के खिलाफ खड़ा हुआ चीन

चीन की ओर से भारत को धमकी दी गई है, वह चीन से भारत जाने वाले ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक सकता है। यह एक कूटनीतिक चेतावनी नहीं, बल्कि इसे चीन के रणनीतिक हथियार के रूप में देखा जाना चाहिये। यह एक बेहद गंभीर मामला है। ब्रह्मपुत्र का पानी उत्तर-पूर्व भारत के करोड़ों लोगों की जीवन रेखा है। जल जैसे प्राकृतिक संसाधन को राजनीतिक दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करना न केवल अमानवीय है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संधियों और पड़ोसी देशों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का उल्लंघन है। भारत ने पाकिस्तान का पानी रोकने का जो निर्णय लिया है उसके बदले में चीन ने पाकिस्तान के समर्थन में भारत के खिलाफ यह धमकी दी है, वह भी ब्रह्मपुत्र का पानी रोक देगा।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

पिछले कुछ वर्षों में चीन ने जिस तरह पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया है, वह भारत के लिए दोहरी चुनौती बन चुका है। एक ओर लद्दाख और अरुणाचल की सीमा पर चीन की आक्रामकता, दूसरी ओर पाकिस्तान को सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक समर्थन देकर भारत के खिलाफ अप्रत्यक्ष मोर्चा खोलना, भारत के खिलाफ चीन की एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। ब्रह्मपुत्र का जल प्रवाह रोकने की धमकी उसी रणनीति का विस्तार है, जिसमें चीन जल को भी जियो-पॉलिटिकल हथियार की तरह इस्तेमाल करना चाहता है। भारत को चाहिए वह इस स्थिति से सतर्क होकर बहुपक्षीय मंचों पर चीन की इस आक्रामक नीति को उजागर करे। जलवायु परिवर्तन और सीमा-पार नदियों के जल-संविधान पर आधारित अंतरराष्ट्रीय संधियों का हवाला देते हुए चीन पर कूटनीतिक दबाव बनाया जाए। भारत को अपनी उत्तर-पूर्वी जलनीति को और अधिक सुदृढ़ करना होगा, जिसमें जल संग्रहण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल संसाधनों का दोहन शामिल हो।

यह भी आवश्यक है, भारत अपने पारंपरिक सहयोगियों जापान, अमेरिका और एसियान देशों के साथ मिलकर एक व्यापक रणनीति बनाए। जो केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित न हो, वरन जल, साइबर और तकनीकी मोर्चों पर भी एक जुटता के साथ तैयार रहें। ब्रह्मपुत्र कोई सामरिक हथियार नहीं, बल्कि प्रकृतिजन्य, सभी जीवों और मानव के लिए प्रकृति का उपहार है। यदि चीन उसे हथियार बनाना चाहता है तो यह केवल भारत ही नहीं बल्कि समूचे एशिया के लिए खतरे की घंटी है। भारत को संयम के साथ ठोस नीति और दृढ़ता से जवाब देना होगा। ताकि जल को हथियार बनाने की इस खतरनाक प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सके। चीन को यह मौका भारत ने ही दिया है। इस दिशा में भारत को भी गंभीरता के साथ चिंतन मनन करना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत में जो लड़ाई शुरू की थी उसमें जल संधि को ना मानते हुए पाकिस्तान का पानी रोकने की पहल भारत ने की थी, परिणाम स्वरुप चीन जैसे देशों को भी भारत के ही निर्णय को आधार मानकर भारत को घेरने की कोशिश की जा रही है। भारत सरकार ने इसकी गंभीरता पर ध्यान ना देते हुए जो निर्णय लिया है वह भी एक तरह से अमानवीय है। कूटनीति और विदेश नीति के मामले में भारत जिस तरीके से बिना सोचे-समझे निर्णय ले रहा है, जिस तरह की धमकियां पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मीडिया और भारत के राजनेताओं द्वारा अन्य देशों के बारे में समय-समय पर दी जा रही हैं, उसके कारण भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ भी संबंध खराब हुए हैं। चीन ने इसका लाभ उठाया है। भारत के सभी पड़ोसी देशों के साथ चीन ने व्यापारिक और सामरिक संबंधों को बढ़ाया है। भारत के लिए चुनौतियां बढ़ाई हैं। चीन भारत के कब्जे वाले पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार अशांति फैलाने का काम कर रहा है। चीन ने पिछले वर्षों में सीमावर्ती राज्यों में बड़े पैमाने पर अपनी गतिविधियां बढाकर भारत के लिए कड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भारत के मीडिया ने तो गजब ही कर दिया है। झूठी और धमकी वाली खबरों को दिखाकर भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर करने का काम किया है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार माध्यम के इस युग में, जिस तरह से भारतीय मीडिया काल्पनिक खबरों को फैलाने का काम करता है, उसको लेकर पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध पिछले एक दशक में बड़ी तेजी के साथ खराब हुए हैं। भारत को बार-बार विश्व- गुरु के रूप में स्थापित करने और भारत की तीसरी और चौथी अर्थव्यवस्था को लेकर जो दावे भारत सरकार के हवाले से भारतीय मीडिया द्वारा किए जाते हैं, उसके कारण दुनिया के बड़े देशों के साथ भारत ने अपनी प्रतिस्पर्धा को बढ़ा लिया है। अधिकांश दावे वास्तविकता से बहुत दूर हैं। चीन ने इसका लाभ उठाया, बिना कुछ बोले और बिना कुछ हल्ला किये, भारत के साथ अपने व्यापार को बढ़ाते हुए, चीन ने भारत को चारों तरफ से घेरने के लिए पड़ोसी देशों का इस्तेमाल किया। उन्हें बड़े पैमाने पर कर्ज दिया। उनके साथ इस तरीके के समझौते किए, जिससे चीन की सामरिक शक्ति कई गुना बढ़ गई। चीन के राष्ट्रपति को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झूला झुलाया था। उन्हें अपना सबसे अच्छा मित्र बताया था। उनके मित्र ने उन्हें ऐसे समय पर धोखा दिया, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। चीन की इस रणनीति के कारण भारत को कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है। ऐसा लग रहा है कि आस-पास हमने दुश्मनों की भीड़ इकट्ठी कर ली है। भारत सरकार को अपनी विदेश नीति, पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते, पूर्वोत्तर राज्यों में शांति स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण काम करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। सरकार को विदेश नीति और कूटनीति के जानकारों को अपने साथ आगे लाना होगा। चीन ने जिस तरह से पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया है, भारत के खिलाफ जिस तरह की कार्यवाही पिछले कुछ दिनों में चीन द्वारा की गई है। उससे भारत के व्यापारिक एवं सामरिक हितों को बड़ा नुकसान पहुंच रहा है। भारत सरकार को इस पर गंभीरता से विचार कर तुरंत निर्णय लेने होंगे। भारत का जो मीडिया है, उसके लिए जवाबदेही तय करनी होगी। अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करते हुए प्रचार-प्रसार से बचाना होगा। यदि ऐसा समय रहते नहीं हुआ, तो भारत को आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

दुग्धशाला की शक्ति का परिचायक है आत्मनिर्भरता

डॉ. शंकर सुवन सिंह
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के वसा रहित दूध (स्किम्ड मिल्क) में कोलेस्ट्रॉल 2-5 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। पूर्ण वसा (फुल क्रीम) वाले दूध में कोलेस्ट्रॉल 10-15 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। आंकड़ों के अनुसार एक स्वस्थ्य व्यक्ति 300 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल प्रतिदिन ले सकता है। अतएव दूध पीने से हृदयघात होने की संभावना नगण्य होती है। दूध में मुख्यतः केसिन और व्हेय नामक दो प्रोटीन पाए जाते हैं। दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है। जब प्रकाश इन मिसेल्स से टकराता है तो यह प्रकाश अपरिवर्तित होकर फैल जाता है। दूध में पाए जाने वाला वसा के कण (फैट ग्लोबुल्स) भी प्रकाश के प्रकीर्णन का कारण बनते हैं। अतएव दूध का रंग सफेद दिखाई देता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जिस दूध में जितना ज्यादा वसा (फैट) होगा उसका रंग उतना ही सफेद दिखाई देगा। गाय के दूध में भैंस के दूध की अपेक्षा वसा (फैट) कम होता है और केसिन नामक प्रोटीन भी कम होता है। इसलिए गाय का दूध हल्का पीला दिखाई देता है।

दूध में कैरोटीन और कैसिन नामक दो वर्णक (पिगमेंट) होते हैं जो उसके रंग को प्रभावित करते हैं। अतएव कैरोटीन की वजह से गाय के दूध में हल्का पीला रंग होता है, जबकि कैसिन की वजह से दूध का रंग सफेद होता है। भैंस के दूध में केरोटीन कम होता है और फैट ज्यादा। जबकि गाय के दूध में केरोटीन ज्यादा और फैट अपेक्षाकृत कम होता है। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध एक अपारदर्शी, सफेद तरल उत्पाद है। डेयरी शब्द को दुग्ध उद्योग से जोड़ कर देख सकते हैं। दूध को विभिन्न डेरी उत्पादों में परिवर्तन के लिए प्रसंस्करण किया जाता है। दूध के विभिन्न उप उत्पाद भी होते हैं जिन्हे तकनीकी भाषा में मिल्क बाई प्रोडक्ट (दूध के उप उत्पाद) भी कहा जाता है। डेयरी उत्पाद में दूध प्राथमिक घटक के रूप में प्रयोग होता है। जैसे की दूध, दही, पनीर, आइसक्रीम। डेयरी उप उत्पादों में व्हेय, छाछ, स्किम मिल्क, घी के अवशेष (घी रेजिड्यू) आदि आते हैं। दूधऔर डेयरी (दुग्धशाला) का सम्बन्ध बगिया और माली जैसा है। जिस प्रकार एक माली अपनी बगिया को सींचता और सम्हालता है। उसी प्रकार एक माली रूपी डेयरी (दुग्धशाला), बगियारूपी दूध को सम्हालता और संरक्षित करता है। डेयरी (दुग्धशालाएँ) दूध की सुंदरता और उनकी दिव्यता का द्योतक है। दूध का रखरखाव और उसको ताजा बनाए रखने की जिम्मेदारी डेयरी (दुग्धशाला) की होती है। जिसको तकनीकी भाषा में शेल्फ लाइफ ऑफ मिल्क कहा जाता है। अर्थात दूध की पोषकता को लम्बे समय तक बनाए रखना। पोषकता का सम्बन्ध शुद्धता से होना चाहिए। शुद्ध दूध ही एक स्वस्थ्य शरीर का परिचायक है। डेयरी उद्योगों (दुग्धशालाओं) के लिए शुद्धता ही प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकांश डेयरी उद्योग (दुग्धशालाएं) शुद्धता का ख्याल रखते हैं और शुद्ध दूध को ही जन जन तक पहुँचाते हैं। भारत में ब्रांडेड डेयरी (दुग्धशाला) में अमूल, पारस, ज्ञान, नमस्ते इंडिया, सुधा, आदि डेयरी आती है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहुत सी लोकल सर्टिफाइड डेयरी (दुग्धशालाएँ) काम कर रही हैं। ये सभी गुणवत्ता व शुद्धता के मामले में काफी आगे हैं। ये सभी डेयरी दूर दराज में रहने वाले लोगों के लिए राम बाण साबित होती हैं। जिस शहर और क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन की कमी होती है, वहाँ इन डेयरी (दुग्धशाला) द्वारा कमी को पूरा किया जाता है। कुल मिलाकर जनसँख्या के हिसाब से दूध की जितनी खपत है भारत दूध का उतना उत्पादन करने में सक्षम है। अतएव हम कह सकते हैं कि दुग्धशालाएं, दूध को संरक्षित और सुरक्षित करती हैं। विश्व में भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान रखता है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की 25 वीं वर्षगाँठ मनाई जा रही है। विश्व दुग्ध दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को मनाया जाता है। विश्व दुग्ध दिवस 2025 का थीम/प्रसंग है- आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं। असली मायने में हम डेयरी की शक्ति का जश्न तभी मना सकते हैं जब हर घर दूध और दूध से बने उत्पाद शुद्धता के साथ पहुंचे। डेयरी उत्पाद का शुद्ध होना आवश्यक है। शुद्धता ही असली स्वास्थ्य की निशानी है। तभी हम कह सकते हैं कि दूध व दूध से बने उत्पाद वैश्विक पोषण का आधार हैं। भारत में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड डेयरी उद्योग के विस्तार के लिए काम करती है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन डी डी बी) के संस्थापक डॉ. वर्गीस कुरियन थे। डॉ. वर्गीस कुरियन को भारत में श्वेत क्रांति का जनक भी कहा जाता है। लोगों या किसानों को डेयरी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार की कुछ योजनाएं हैं जिनका लाभ उठाया जा सकता है। भारत सरकार की डेयरी उद्यमिता विकास योजना (डी ई डी एस) के तहत आम नागरिक और किसान मिल्क कलेक्शन सेंटर खोल सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, कामधेनु डेयरी योजना, नंद बाबा डेयरी मिशन आदि योजनाएं एक सफल डेयरी उद्योग खोलने में मदद कर सकती हैं। अतः बिना डेयरी उद्योग (दुग्धशाला) के दूध की दिव्यता अधूरी है। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दूध की दिव्यता का स्रोत डेयरी (दुग्धशाला) ही हैं। डेयरी (दुग्धशाला) सेक्टर आत्मनिर्भरता की कुंजी है। देश में बढ़ते डेयरी उद्योग लोगों को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। आत्मनिर्भरता स्वतन्त्रता का सूचक है। स्वतन्त्रता सकून और शांति को जन्म देती है। अतएव हम कह सकते हैं कि आत्मनिर्भरता डेयरी (दुग्धशाला) की शक्ति का परिचायक है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

संत की सीख...

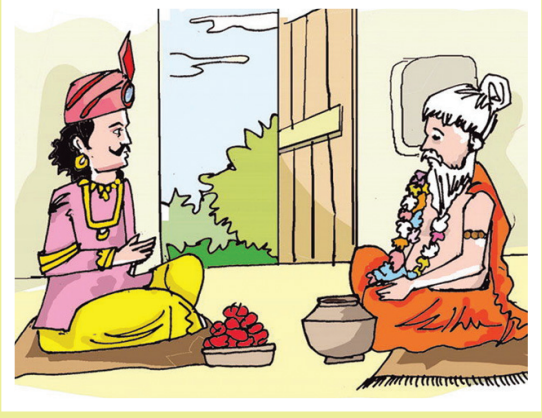

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

आरबीआई के ब्याज दर पर फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई ■

इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुझान घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां और शुल्क के मोर्चे पर घटनाक्रम भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे।

सभी की निगाह छह जून को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति घोषणा पर रहेगी। इसके अलावा नए माह की शुरूआत के साथ वाहन बिक्री और आर्थिक गतिविधियों का संकेत देने वाले अन्य आंकड़े आएंगे। साथ ही सभी की निगाह मानसून की प्रगति और विदेशी

संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह पर भी रहेगी। उनका कहना है कि वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बॉन्ड बाजार के रुझान और जारी व्यापार वाताओं से जुड़े घटनाक्रम भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से अधिक तेजी से बढ़ी है, जिससे पूरे वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3,900 अरब डॉलर हो गया है। इस बीच सप्ताह के दौरान आने वाले विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए पीएमआई आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इस सप्ताह केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दर में कटौती की उम्मीद के बीच ब्याज दर की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र, विशेष रूप से सरकारी बैंकों के शेयरों पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा वाहन बिक्री के मासिक आंकड़ों की वजह से भी बाजार में क्षेत्र विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। बाजार के जानकारों ने यह भी कहा कि बाजार रेपो दर में चौथाई प्रतिशत की कटौती की उम्मीद कर रहा है। ऐसे में ब्याज दर की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों पर सभी की नजर रहेगी। सकारात्मक वृहद आर्थिक आंकड़े निवेशकों का भरोसा बढ़ा सकते हैं।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड सुरक्षित और लाभकारी विकल्प

हर साल जमा करें 1 लाख रुपये, 15 साल बाद मिलेंगे 27 लाख

नई दिल्ली ■

शेयर बाजार के लगातार उतार-चढ़ाव के बीच लोग अब पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) को एक मजबूत और लाभकारी निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं। पीपीएफ एक ऐसा निवेश है जो सरकार की गारंटी के साथ आपको स्थिर और सुनिश्चित रिटर्न देता है। जबकि स्टॉक्स और म्यूचुअल फंड में जोखिम होता है, पीपीएफ आपके पैसे की सुरक्षा और बढ़ती हुई राशि का विश्वास दिलाता है। पीपीएफ खाता खोलने के लिए आप किसी भी बैंक या डाकघर में जा सकते हैं। आपको प्रति वर्ष 15 साल के अवधि में निवेश करना होता है और धीरे-धीरे आपका निवेश बढ़ता जाता है। सालाना 7.1 फीसदी के कंपाउंडिंग ब्याज दर के साथ आप अच्छे रिटर्न उम्मीद कर सकते हैं, जो आपके निवेश को दोगुना बना सकता है। इस योजना में निवेश करने के लिए आप अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर भी पीपीएफ खाता खोल सकते हैं। यह एक अच्छा विकल्प है जो स्टॉक मार्केट के जोखिम से बचाव करने के लिए अपनाया जा सकता है और लंबी अवधि में भी आपको टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव 24 रुपये घटाये

नई दिल्ली ■

तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 24 रुपये कम कर दी है। यह नई दर 1 जून से लागू हो गई है। अब 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर 1,723.50 रुपये में ?मिलेगा। हालांकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियां नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और बाजार की स्थिति के आधार पर एलपीजी की दरें बदलती रहती हैं। इस साल की शुरूआत में 1 अप्रैल को भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 41 रुपये की कमी की गई थी। दूसरी ओर, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें स्थिर रखी गई हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में एलपीजी की कीमतें स्थानीय करों और परिवहन लागत के कारण भिन्न होती हैं। भारत में एलपीजी का लगभग 90 प्रतिशत उपयोग घरेलू रसोई में होता है, जबकि शेष 10 प्रतिशत कमर्शियल, औद्योगिक और ऑटोमोटिव क्षेत्रों में खपत होता है। इससे पहले मार्च में केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की थी। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण लिया गया था। लेकिन मई 2025 में भारतीय क्रूड बास्केट की औसत कीमत घटकर 64.5 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो पिछले तीन साल में सबसे कम है।

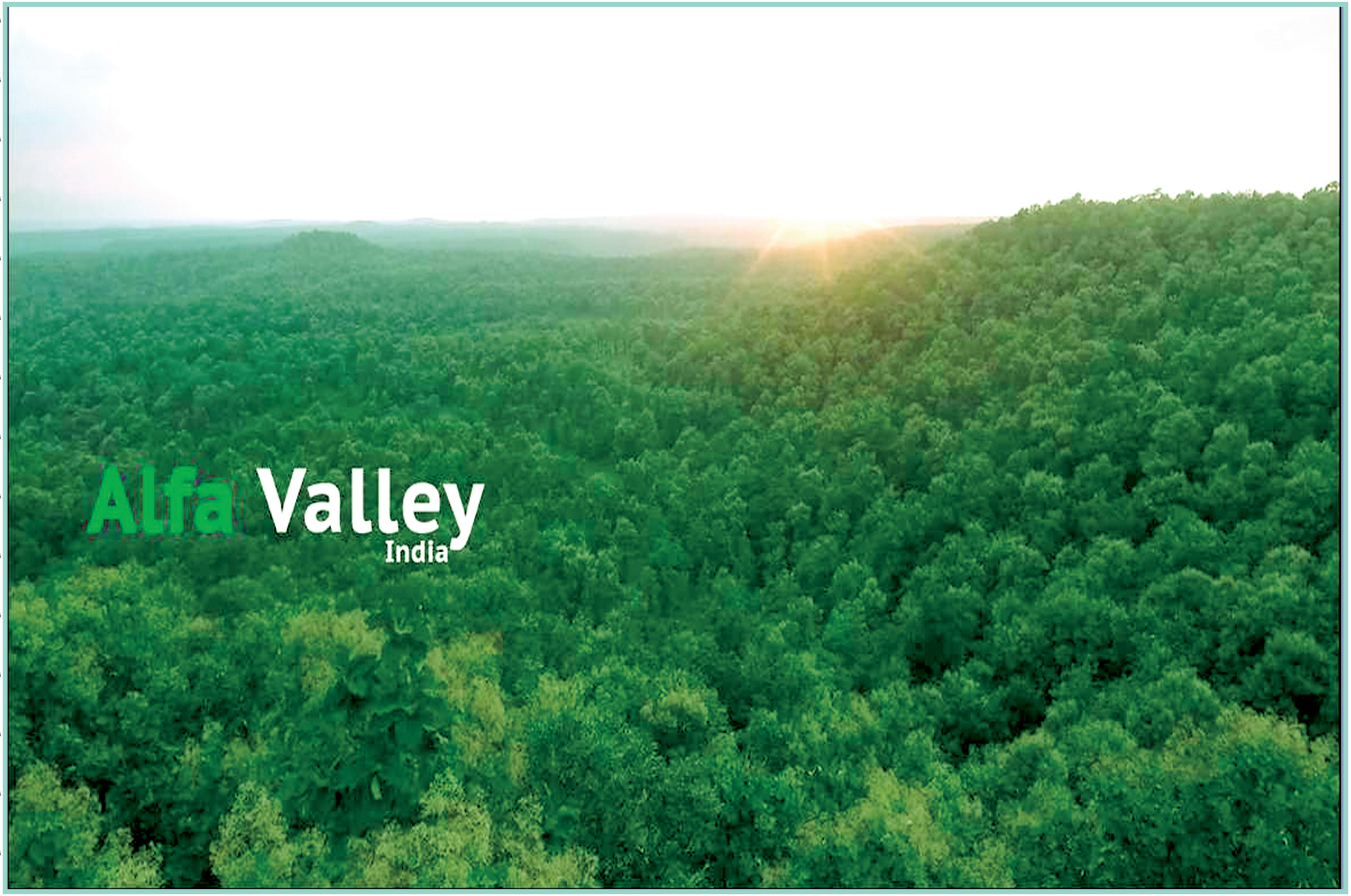

Alfa Valley
India

पीएसजी ने पहली बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीता

इंटर मिलान को 5-0 से हराया, कोच लुइस ने जीत बेटी को समर्पित की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शनिवार को म्यूनिख के एलियांज एरिना में इंटर मिलान को हराकर यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने इंटर मिलान को 5-0 से हराकर इतिहास रच दिया, यह चैंपियंस लीग फाइनल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पीएसजी ने पहली बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीता है। युवा खिलाड़ी देजिरे डूए ने दो गोल (20वें और 63वें मिनट) किए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। उनके अलावा अशरफ हकीमी, ख्विचा और सेनी मायुलु ने भी गोल किए। पीएसजी के मैनेजर लुइस एनरिक ने क्लब की पहली यूएफा चैंपियंस लीग जीत को अपनी दिवंगत बेटी जाना को समर्पित किया। उनकी बेटी जाना का 2019 में 9 साल की उम्र में बोन कैंसर से निधन हो गया था। उन्होंने कहा, %मेरी बेटी जाना हमेशा मेरे दिल में है, और वह इस जीत के हर पल में मेरे साथ थी। वह जीत और हार दोनों में मेरे साथ है।

रियल मैड्रिड लीग की सबसे सफल टीम

रियल मैड्रिड लीग की सबसे सफल टीम है। उसने अब तक 15 बार खिताब अपने नाम किया है, जबकि 4 बार उपविजेता रही है। एसी मिलान इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उसने सात बार टाइटल जीता है। वहीं लिवरपूल और बायर्न म्यूनिख ने 6-6 बार खिताब अपने नाम किया है।

पीएसजी ट्रेबल जीतने वाली पहली फ्रेंच टीम बनी

पीएसजी ने चैंपियंस लीग खिताब के साथ ट्रेबल भी जीत लिया है। टीम ने इस सीजन चैंपियंस लीग के अलावा लीग 1 और फ्रेंच कप जीता है। जो टीमें एक सीजन में अपनी लीग, कप और चैंपियंस लीग मिलाकर तीन मेजर ट्रॉफी जीतती हैं उससे ट्रेबल कहते हैं। वहीं यह उपलब्धि 15 बार यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली स्पेनिश टीम रियल मैड्रिड भी हासिल नहीं कर सकी है। हालांकि स्पेनिश टीम बार्सिलोना ने 2 बार यह कारनामा किया है। अब तक यूरोप की 9 टीमों ने ट्रेबल जीत चुकी है। मैनचेस्टर सिटी ट्रेबल जीतने वाली नौवीं टीम है।

क्लब के पूर्व खिलाड़ी एम्बाप्पे ने बधाई दी

पूर्व पीएसजी स्टार किलियन एम्बाप्पे ने इंस्टाग्राम पर पीएसजी को बधाई दी और उनकी सफलता की सराहना की। उन्होंने लिखा, अद्भुत जीत, बहुत गर्व महसूस हो रहा है। इतिहास रच दिया। एम्बाप्पे फिलहाल रियल मैड्रिड के लिए खेलते हैं।

मनोरंजन

मैं यहां किसी की डुप्लीकेट बनने नहीं आई: उर्वशी

मुंबई। बालीवुड एक्टर्स उर्वशी रौतेला के कांस फिल्म फेस्टिवल के लुक्स की तुलना ऐश्वर्या और करिश्मा कपूर से करने पर भड़कते हुए एक्ट्रेस ने कहा है कि वो किसी की डुप्लीकेट नहीं हैं बल्कि वो खुद ब्लूप्रिंट हैं। उर्वशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वो न्यूज पोस्ट की है, जिसमें लिखा गया था कि उर्वशी ने जीरो करिज्मा के साथ ऐश्वर्या राय बनने की कोशिश की। इस पर एक्ट्रेस ने भड़ककर लिखा है, तो जाहिर है कि मैं 0 करिज्मा वाली ऐश्वर्या राय बनने की कोशिश कर रही हूं? डार्लिंग ऐश्वर्या आइकॉनिक है। लेकिन मैं यहां किसी की डुप्लीकेट बनने नहीं आई। मैं ही ब्लूप्रिंट हूं।

कांस ने मुझे किसी में मिल जाने के लिए नहीं बुलाया गया, मैं यहां अलग दिखने आई हूं। अगर मेरा लुक, मेरा स्टाइल और मेरा कॉन्फिडेंस आपको असहज महसूस करवाता है तो शायद आपको एक गहरी सांस लेना चाहिए। मैं हर किसी को समझ नहीं आती। मैं फायरवर्क के साथ शैंपेन की तरह हूं। इसके अलावा उर्वशी ने उन खबरों पर भी चुप्पी तोड़ी है, जिनमें कहा जा रहा है कि कांस के रेड कार्पेट पर उर्वशी को पोज देने से रोका गया। इस पर एक्ट्रेस ने लिखा है, मैं ड्राइट सब्या के खिलाफ पूरी ताकत के साथ खड़ी हूं, एक फेसलेस पेज जो झूठा दावा करने की हिम्मत करता है कि मुझे सीढ़ियों पर ब्लॉक किया गया। सच्चाई को सामने आने दें। मेरी टीम ने सीढ़ियों पर फोटोशूट के परमिशन ली, जैसा कि दूसरों ने ली। मैं गौरवपूर्ण कांस के हर नियम का सख्ती से पालन करती हूं। आगे एक्ट्रेस लिखती हैं, उनकी बेबुनियाद कहानी हम जैसों को निशाना बनाती हैं, जो एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म में भारत का गौरव बढ़ाते हैं।

इवेंट में जया बच्चन की सादगी ने खींचा सभी का ध्यान

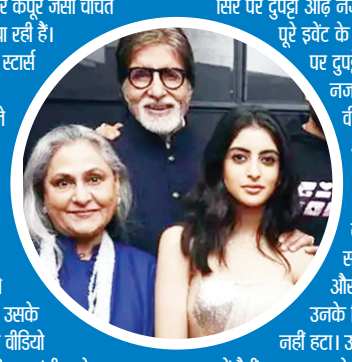

बालीवुड की दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उनके साथ अमिताभ बच्चन और आमिर खान-रीना दत्ता, उर्मिला मातोंडकर, शेखर कपूर जैसी चर्चित हस्तियां नजर आ रही हैं। लेकिन इन सब स्टार्स की उपस्थिति के बावजूद, जिन्होंने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा वह जया बच्चन हैं। इस वीडियो में जया बच्चन का जो अंदाज देखने को मिल रहा है, उसके काफी चर्चे हैं। ये वीडियो 1995 में आई फिल्म रंगीला के म्यूजिक लॉन्च इवेंट का है। इस फिल्म में आमिर खान और उर्मिला मातोंडकर लीड रोल में नजर आए थे। वीडियो की शुरुआत ही अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की एंट्री के साथ होती है। एक तरफ जहां बिग बी सूट-बूट में एंट्री करते हैं वहीं जया अपने अंदाज से सबको हैरान करती दिखीं। जया बच्चन सफेद सूट पहनकर इवेंट में पंहुची थीं। न तो कोई हैवी जूलरी और ना ही मेकअप एक दम सिंपल अंदाज। इस दौरान जया बच्चन सिर पर दुपट्टा ओढ़े नजर आईं और पूरे इवेंट के दौरान वह सिर पर दुपट्टे के साथ ही नजर आईं। वीडियो के आखिरी में भी जया बच्चन, उर्मिला मातोंडकर के साथ दिखाई दीं और इस दौरान भी उनके सिर से दुपट्टा नहीं हटा। उर्मिला के बगल में बैठीं जया बच्चन के चेहरे पर हल्की मुस्कान नजर आती है, लेकिन साथ ही वह किसी ख्याल में भी गुम दिखाई देती हैं। वीडियो पर यूजर्स के भी खूब रिएक्शन आ रहे हैं। वायरल हो रहा वीडियो स्टार रेट्रो टीवी नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है, जिस पर यूजर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं।

अभिनेत्री हुमा कुरैशी जम्मू-कश्मीर, ऑपरेशन सिंदूर के जवानों से की मुलाकात

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी हाल ही में जम्मू कश्मीर गई थीं। यहां वह ऑपरेशन सिंदूर में जम्मू में तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के जवानों से मिलीं। बुधवार को ऑन्ट्रॉय पोस्ट पर उन्होंने कहा कि वह बीएसएफ के जवानों से मुलाकात की और उनके शौर्य को सलाम किया। हुमा कुरैशी ने इस मौके पर बीएसएफ का शुक्रिया अदा किया। हुमा ने कहा कि आज हम भारत-पाकिस्तान की सीमा पर खड़े हैं और ये कोई साधारण धरती नहीं है। ये धरती आपकी बहादुरी और बलिदान का प्रतीक है। हुमा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल पूरे देश की रक्षा करता है और आपकी बहादुरी की वजह से ही हमारी सीमाओं पर शांति हो सकी है। इस देश के लिए आपने जो बलिदान दिया है, उसके लिए आप सभी का धन्यवाद! आप सभी जानते हैं कि जम्मू-कश्मीर से मेरा एक खास रिश्ता है। मेरी मां कश्मीर से हैं इसलिए मैं जम्मू-कश्मीर को अपना घर मानती हूं। हुमा कुरैशी ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर मजबूती और एकजुटता के साथ खड़ा है और जम्मू-कश्मीर सुरक्षा बलों बहादुरी के कारण भारत की रीढ़ है इसलिए मैं बीएसएफ के जवानों, सेना के जवानों और उनके परिवारों को तहे दिल से सलाम करती हूं। जम्मू-कश्मीर जन्नत है। माता वैष्णो देवी, शिव खीरी, पटनी टॉप, सनासर और खूबसूरत रंजीत सागर झील। हर जगह की अपनी कहानी है जो आस्था और सुंदरता से जुड़ी है। मैं आप सभी को बस इतना बताना चाहती हूं कि डर को जम्मू-कश्मीर की पहचान न बनने दें।

जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में, वर्ल्ड नंबर-1 सिनर भी जीते

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चौथे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने शनिवार को खेले गए तीसरे दौर में ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी फिलिप मिजोलिक को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। सर्बिया के जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचे हैं। अब, 38 साल के जोकोविच का लक्ष्य अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतकर इतिहास रचना है। उनका अगला मुकाबला ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी से होगा। सिनर ने तीसरे दौर में चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका को 1 घंटे 45 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराया। सिनर की यह किसी भी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत है। यह टूर्नामेंट सिनर के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद दूसरी प्रतियोगिता है। इससे पहले, उन्होंने इटालियन ओपन के फाइनल में पहुंचकर वापसी की थी।

ज्वेरेव लगातार 8वीं बार अंतिम-16 में

जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने इटली के फ्लावियो कोबोली को सीधे सेटों में 6-2, 7-6, 6-1 से हराया। यह लगातार आठवां साल है जब ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के अंतिम-16 में पहुंचे हैं। अब ज्वेरेव का सामना चौथे दौर में डच खिलाड़ी टैलोन ग्रीक्सपूर से होगा। पिछले साल के फाइनलिस्ट ज्वेरेव का लक्ष्य इस बार अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना है। डिफेंडिंग चैंपियन मेंस सिंगल्स चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को तीसरे राउंड में बोस्निया के दामिर दजुमहुर को 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 3 घंटे 14 मिनट तक चला। इसमें अल्काराज ने शुरुआती दो सेट में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरे सेट में दजुमहुर की वापसी ने मैच को रोमांचक बना दिया। अल्काराज ने चौथे सेट में आत्मविश्वास दिखाते हुए जीत हासिल की। अब अल्काराज का सामना चौथे दौर में अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा, जो वर्तमान में वर्ल्ड रैंकिंग में 13वें स्थान पर हैं।

आईसीसी के नये नियम अगले माह से लागू होंगे, 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा

दुबई ■ एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह जुलाई 2025 से एकदिवसीय क्रिकेट में नये नियम लागू करने जा रही है। जिससे कि खेल का रोमांच बढ़ सके। एक रिपोर्ट के अनुसार नये नियम से खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है अभी ये बल्लेबाजों के पक्ष में झुका हुआ है। अब , एकदिवसीय में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम को हटाया जा रहा है। अब 34 ओवर के बाद गेंद बदल दी जाएगी जिससे कि रिवर्स स्विंग करन आसान होगा और गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी बैठेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, एकदिवसीय मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद लेनी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से लागू होगा।

इसके अलावा, आईसीसी ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों में भी बदलाव की घोषणा की है। अब टीमें मैच शुरू होने से पहले रैफरी को 5 खिलाड़ियों की सूची सौंपेंगी, जिसमें एक विकेटकीपर, बल्लेबाज, तेज गेंदबाज, स्पिनर और ऑलराउंडर शामिल होंगे। यह नियम खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल की निष्पक्षता को बढ़ाने के लिए लाया गया है। ये नियम टेस्ट क्रिकेट में 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गाले में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से लागू होंगे, जबकि टी20आई में बदलाव 10 जुलाई से प्रभावी होंगे। हालांकि, 11 जून से लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल वर्तमान नियमों के तहत ही खेला जाएगा। आईसीसी ने इन संशोधनों के बारे में अपने सदस्य बोर्डों को भी जानकारी दे दी है।

बुमराह ने जिंदगी को लेकर कही दिल की बात

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट 'बियॉन्ड 23' में अपने करियर, फिटनेस, पारिवारिक जीवन और वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए क्रिकेट से ज्यादा उनका परिवार अहम है। बुमराह ने कहा, मेरे लिए परिवार मेरे करियर से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक स्थायी रिश्ता है। मैं दो चीजों को बेहद गंभीरता से लेता हूं एक है मेरा परिवार और दूसरा मेरा खेल, लेकिन इनमें भी परिवार पहले आता है। उन्होंने आगे बताया कि उनके बेटे ने अभी से गेंद से खेलना शुरू कर दिया है, हालांकि यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। बुमराह की इस बातचीत के पीछे की एक अहम वजह हालिया चयन विवाद भी है। इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हें कप्तानी का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला किया। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने स्क्वॉड की घोषणा के समय यह स्पष्ट किया था कि बुमराह पांचों टेस्ट नहीं खेलेंगे। अपनी फिटनेस को लेकर बुमराह ने कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए लंबे समय तक लगातार खेलते रहना मुश्किल होता है।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चेनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

LITTAL
www.pramodmarutiparts.com

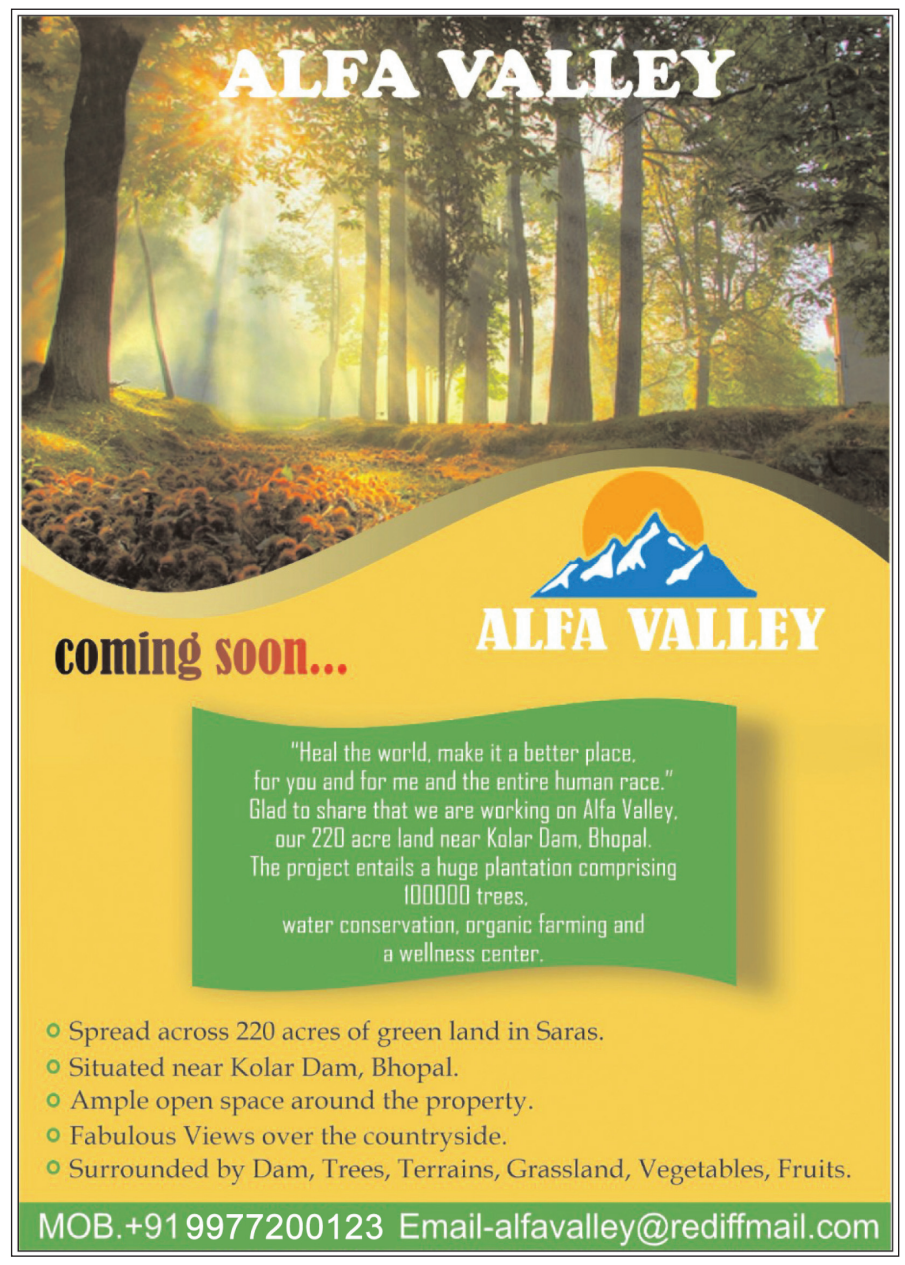

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com